✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 09 अंक - 331

कलम लोक

बक्सर, बुधवार 15 अप्रैल 2026

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"सैकड़ों गुण रहित और मूर्ख पुत्रों के बजाय एक गुणवान और विद्वान् पुत्र होना अच्छा है; क्योंकि रात्रि के समय हज़ारों तारों की अपेक्षा एक चन्द्रमा से ही प्रकाश फैलता है।

होर्मुज नाकेबंदी पर डोनाल्ड ट्रंप के दावे फुस्स, स्ट्रेट से गुजरते दिखे ईरान से जुड़े जहाज

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की ओर से ईरान के बंदरगाहों पर नाकेबंदी के बावजूद होर्मुज स्ट्रेट से कई जहाज गुजरते दिख रहे हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने बताया कि ब्लॉकेड केवल ईरानी बंदरगाहों में आने-जाने वाले यातायात पर लागू होता है। दूसरे देशों के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों को स्ट्रेट से गुजरने की इजाजत है। सेंटकॉम ने दावा किया कि ब्लॉकेड के पहले 24 घंटों में कोई जहाज नहीं गुजरा, लेकिन ट्रैकिंग डेटा इसके विपरीत संकेत दे रहे हैं।

शिप ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म केप्लर के अनुसार, कल से कम से कम 9 वाणिज्यिक जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं। इनमें रिच स्टारी नामक ऑयल टैंकर शामिल है, जिस पर अमेरिका ने 2023 से ईरान से संबंधों के कारण प्रतिबंध लगा रखा है। इसी तरह एल्पिस नामक एक और प्रतिबंधित ईरान-लिंक्ड टैंकर भी गुजरा। मरीनट्रैफिक के डेटा से पता चलता है कि लाइबेरिया-फ्लैग्ड बल्क कैरियर क्रिश्चियनना और मार्शल आइलैंड्स की कंपनी के स्वामित्व वाला टैंकर मुरलीकिशन भी आज स्ट्रेट पार कर चुके हैं। मुरलीकिशन पर भी अमेरिका के ईरान प्रतिबंध कार्यक्रम के तहत पाबंदी है।

संघर्ष शुरू होने से पहले होर्मुज स्ट्रेट से रोजाना 100 से अधिक जहाज गुजरते थे, जो विश्व के तेल निर्यात का 5वां हिस्सा ले जाते हैं। अब यातायात उसका 10 प्रतिशत से भी कम रह गया है। नाकेबंदी के बावजूद कुछ ईरान-लिंक्ड जहाजों का गुजरना अमेरिकी ब्लॉकेड की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा सकती है, जबकि वैश्विक ऊर्जा बाजार पर इसका असर पड़ रहा है।

रिपोर्ट में क्या आया सामने?

इसके अलावा, चीनी कंपनी के स्वामित्व वाला एक ऑयल टैंकर और एक लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस टैंकर भी गुजरते दिखे। क्रिश्चियनना ईरानी बंदरगाह बंदर इमाम खोमैनी से मकई उतारने के बाद निकला, जबकि अन्य जहाज ईरान के पास वाले रूट से गुजरे। हालांकि, सीएनएन समेत कई मीडिया संगठन इन यात्राओं की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर पाए हैं, क्योंकि शिपिंग डेटा में कभी-कभी सिग्नल गैप की समस्या होती है, जो ट्रैकिंग को प्रभावित कर सकती है।

पाकिस्तान में वार्ता फेल होने के बाद पहली बार पीएम मोदी की ट्रंप से बात

40 मिनट चला फोन कॉल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच बात हुई है। यह बातचीत करीब 40 मिनट तक हुई है। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति वार्ता विफल होने के बाद इस बातचीत को बेहद अहम माना जा रहा है। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को इस बारे में जानकारी दी। इस साल तीसरी बार पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बात की है। वहीं, पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दूसरी बार दोनों के बीच बात हुई है।

अमेरिकी राजदूत ने कहाकि ट्रंप ने पश्चिम एशिया की स्थिति, जिसमें ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी भी शामिल है, पर प्रधानमंत्री को जानकारी दी। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच कुछ बड़े सौदे अपेक्षित हैं, जिनमें ऊर्जा क्षेत्र भी शामिल है। सर्जियो गोर के मुताबिक इस दौरान पीएम मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप से कहा, 'मैं सिर्फ यही चाहता हूं कि आप जान लीजिए कि हम सभी आपसे प्यार करते हैं।' अमेरिकी राजदूत ने कहाकि राष्ट्रपति ट्रंप, पीएम मोदी को लगातार अपडेट करते रहते हैं।

अब तक तीन बार बातचीत

पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने इस साल पहली बार दो फरवरी को बात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच ट्रेड डील पर बातचीत हुई थी। इसके बाद 24 मार्च को दोनों ने पश्चिम एशिया के हालात को लेकर चर्चा की थी। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने बाद पहली फोन कॉल में, पीएम मोदी ने जल्द से जल्द पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने का समर्थन किया था। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि होर्मुज खुला और सुरक्षित रहेगा। अपनी बातचीत के बारे में पोस्ट करते हुए, पीएम मोदी ने कहा था कि ट्रंप से उनकी बात हुई थी।

दो दिन में फिर हो सकती है ईरान से बात, ट्रंप ने दे दिया बड़ा संकेत

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान से बातचीत फिर शुरू हो सकती है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगले दो दिनों में ऐसा हो सकता है। ट्रंप के मुताबिक दूसरे दौर की बातचीत भी पाकिस्तान में ही होने वाली है। ट्रंप ने कहाकि अगले दो दिन में कुछ हो सकता है। हम वहां पर फिर से जाने के इच्छुक हैं। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की बातचीत इस्लामाबाद में हुई थी। हालांकि 21 घंटे तक चली वार्ता में कोई हल नहीं निकल पाया था।

इसके साथ ही ट्रंप ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भी तारीफ की है। ट्रंप ने कहाकि मुनीर बातचीत की टेबल पर अच्छा कर रहे थे। वह बहुत शानदार हैं। यही वजह है कि हम फिर से वहां जाने के इच्छुक हैं। गौरतलब है कि दिन में भी ऐसी खबरें आई थीं कि पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत में मध्यस्थता की तैयारी कर रहा है। एक पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से यह जानकारी सामने आई थी। सुबह भी ऐसी खबरें आई थीं कि पाकिस्तान, अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत में मध्यस्थता की तैयारी कर रहा है। एक पाकिस्तानी अधिकारी के हवाले से यह जानकारी सामने आई थी। पाकिस्तानी अधिकारी का कहना है कि उसे इस मामले को मीडिया में डिस्कस करने का अधिकार नहीं है। वहीं, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहाकि ईरान के साथ समझौता कुछ आगे बढ़ा है। इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि हमें दूसरे पक्ष से बुलावा आया है। वह लोग डील करना चाहते हैं।

ख्वाजा आसिफ ने क्या कहा था?

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोमवार को कहा था कि ईरान-अमेरिका वार्ता का अगला दौर जल्द होने की उम्मीद है। शनिवार को अमेरिका और ईरान के बीच हुई 21 घंटे की वार्ता 1979 के बाद अपनी तरह की पहली वार्ता थी, जिसमें दोनों पक्षों के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया था। हालांकि, सप्ताहांत में पाकिस्तान में हुई इस वार्ता में दोनों पक्ष कोई स्थायी शांति समझौता करने में विफल रहे। आसिफ ने सोमवार को संसद भवन के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि वार्ता के बाद इस बात का थोड़ा संतोष है कि अब तक कोई नकारात्मक घटनाक्रम नहीं हुआ है।

आंबेडकर प्रतिमा हटाने पर बवाल, पथराव; नायब तहसीलदार-पुलिस की गाड़ियां फूंकी

लखीमपुर (एजेंसी)। यूपी के लखीमपुर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर बाकेगंज में मंगलवार को आंबेडकर प्रतिमा हटाने को लेकर बवाल हो गया। मैलानी थाना क्षेत्र के मोतीपुर गांव में मंगलवार को विवादित जमीन पर लगी डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा हटाने को लेकर बवाल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प के बाद स्थिति हिंसक हो गई।

पुलिस की सख्ती के विरोध में ग्रामीणों ने पथराव कर दिया, जिसमें संसारपुर चौकी इंचार्ज समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। आक्रोशित भीड़ ने सीओ गोला और तहसीलदार के सरकारी वाहनों सहित कई निजी वाहनों में तोड़फोड़ कर दी, वहीं कुछ उपद्रवियों ने नायब तहसीलदार और पुलिस चौकी की गाड़ियों में आग लगा दी। पुलिस ने लाठी फटकार कर भीड़ को नियंत्रित किया। तनाव का माहौल बना हुआ है। इलाके में भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है। बाकेगंज कस्बे के पास स्थित मोतीपुर गांव में मंगलवार को आंबेडकर जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी दौरान एक विवादित भूमि पर कुछ लोगों ने आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी।

अंडमान सागर में बड़ा हादसा

बांग्लादेशियों-रोहिंग्याओं से भरी नाव पलटी; 250 के डूबने की आशंका

पोर्ट ब्लेयर (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि अंडमान सागर में बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्या शरणार्थियों को ले जा रही एक नाव पलटने से बच्चों समेत करीब 250 लोगों के लापता होने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त ने एक बयान में कहा, 'यह नाव (ट्रॉलर) दक्षिणी बांग्लादेश के टेकनाफ से रवाना हुई थी और मलेशिया जा रही थी। बताया जा रहा है कि तेज़ हवाओं, समुद्र में उफान और नाव में क्षमता से ज़्यादा लोगों के होने के कारण यह डूब गई।' नाव पर सवार लोगों के डूबने की आशंका जताई जा रही है।

म्यांमार के सताए हुए मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय, रोहिंग्या के हज़ारों लोग हर साल अपने देश में हो रहे दमन और गृहयुद्ध से बचने के लिए समुद्र के रास्ते अपनी जान जोखिम में डालकर भागते हैं। अक्सर वे कामचलाऊ नावों का इस्तेमाल करते हैं। नाव पर सवार रोहिंग्या लोग संभवत: बांग्लादेश के कॉक्स बाज़ार में बने विशाल शिविरों से निकल रहे थे। इन शिविरों में दस लाख से ज़्यादा ऐसे शरणार्थी रहते हैं, जिन्हें म्यांमार के पश्चिमी राज्य रखाइन से भागने पर मजबूर होना पड़ा था। ये लोग यहाँ बेहद खराब हालात में गुज़ारा करते हैं।

महिला आरक्षण और परिसीमन पर सरकार को घेरने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज नई दिल्ली में विपक्षी दलों की एक अहम बैठक बुलाई है। संसद की इस सप्ताह होने वाली विशेष बैठक में महिला आरक्षण कानून और परिसीमन से संबंधित विधेयकों पर चर्चा होने वाली है, जिसमें विपक्ष एक संयुक्त रणनीति तैयार करेगा। खरगे के आवास पर दोपहर 12:30 बजे कांग्रेस की अहम आंतरिक बैठक होगी, जिसमें पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश समेत अन्य नेता शामिल होंगे। इस दौरान सरकार की ओर से लाए जा रहे विधेयकों पर मंथन करेंगे। इसके बाद दोपहर 3 बजे मल्लिकार्जुन खरगे विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक की मेजबानी करेंगे।

भगोड़े नीरव मोदी को भारत लाने के रास्ते खुले, लंदन पहुंची सीबीआई की टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भगोड़े नीरव मोदी को जल्द ही भारत वापस लाया जा सकता है। आधिकारिक सरकारी सूत्रों ने इस बारे में अहम जानकारी दी है। इसके मुताबिक नीरव मोदी के प्रत्यर्पण का मामला अंतिम दौर में है। इसके मुताबिक सीबीआई की टीमें इसके लिए लंदन में मौजूद हैं। जैसे ही पूरी प्रक्रिया पूरी हो जाती है, नीरव मोदी को भारत लाया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक ब्रिटेन में नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की अहम बाधाएं दूर हो चुकी हैं। लंदन में सीबीआई की टीमों की मौजूदगी को सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि उसे भारत लाने में अब ज्यादा समय नहीं लगने वाला है। अगर नीरव मोदी को भारत वापस लाया जाता है तो यह सरकार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। इसके साथ ही भगोड़ों पर कानूनी शिकंजा कसने के मामले में आगे चलकर नजीर बनेगा। भारत वापस लाए जाने के बाद नीरव मोदी पर फ्रॉड केस में मुकदमा चलाया जा सकता है।

बता दें कि अंतरराष्ट्रीय बुटीक स्टोर और कान फिल्म फेस्टिवल में उपस्थिति के कारण प्रसिद्ध हुआ यह 55 वर्षीय जौहरी 19 मार्च, 2019 को ब्रिटेन में गिरफ्तारी के बाद से लंदन की वैंड्सवर्थ जेल में बंद है। भारत में भगोड़ा घोषित मोदी पर अपने मामा मेहुल चोकसी (जो बेल्जियम की जेल में बंद हैं) के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक में 13,000 करोड़ रुपए के घोटाले को अंजाम देने का आरोप है। सीबीआई के अनुसार, मोदी ने कुल गबन की गई राशि में से अकेले 6,498.20 करोड़ रुपए की धांधली की।

इससे पहले मार्च में ब्रिटेन के 'हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस' ने मोदी की प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका पर फिर से सुनवाई की अपील को खारिज कर दिया था। इससे ब्रिटेन में नीरव मोदी के लिए सभी कानूनी रास्ते बंद हो गए। इसके बाद उसने यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय (ईसीएचआर) का रुख किया। ब्रिटेन मानवाधिकारों पर यूरोपीय संधि का हस्ताक्षरकर्ता देश है। लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट-स्मिथ और जस्टिस जे की पीठ वाली 'हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस' ने दंड प्रक्रिया नियमों के तहत मोदी की अपने प्रत्यर्पण अपील को फिर से खोलने की याचिका को खारिज कर दिया था।

स्कूल में खाना खाने के बाद 100 से अधिक छात्र बीमार, एक की मौत

मयूरगंज (एजेंसी)। ओडिशा के मयूरभंज जिले में सरकारी जनजातीय आवासीय स्कूल में खाना खाने के दो दिन बाद मंगलवार को कक्षा 5 की एक छात्रा की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि उसके 100 से अधिक छात्र भी खाना खाने के बाद बीमार पड़ गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, काकाबंधा आश्रम स्कूल के छात्रों ने सुबह मेनू में ना शामिल वाले खाने के बाद असुविधा महसूस की और बीमार पड़ गए। छात्रों के माता-पिता ने दावा किया कि बच्चों को फेरमेंटेड चावल (पखाला), मसाला आलू और आम की चटनी खिलाई गई थी, जिसके बाद उन्हें दस्त और उल्टी की शिकायत हुई।

चेन्नई सुपर किंग्स ने केकेआर को रौंदा, नूर अहमद ने तोड़ी कमर

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 में लगातार दूसरी दर्ज की है। सीएसके ने मंगलवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स को 32 रनों से रौंदा। यह केकेआर की मौजूदा सीजन में पांच मैचों में चौथी हार है। उसका एक मैच बारिश की भेंट चढ़ा था। आईपीएल इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि केकेआर ने सीजन के शुरुआती पांच मैचों से एक भी नहीं जीता। पांच बार की चैंपियन सीएसके ने 193 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में तीन बार की विजेता कोलकाता टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 160 रन ही जुटा सकी। चेन्नई के लिए स्पिनर नूर अहमद ने बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने चार ओवर के स्पेल में महज 21 रन देकर तीन अहम विकेट चटकाए और केकेआर की कमर तोड़ दी। वह प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। अंशुल कंबोज ने दो जबकि खलील अहमद और अकील हुसैन ने एक-एक शिकार किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर ने खराब आगाज किया। फिन एलन (1) दूसरे ओवर में विकेट गंवा बैठे। सुनील नरेन (17 गेंदों में 24) और और कप्तान अजिंक्य रहाणे (22 गेंदों में 28) बड़ी पारी नहीं खेल पाए। हालांकि, रहाणे ने अंगकृष रघुवंशी (19 गेंदों में 27) के साथ तीसरे विकटे के लिए 50 रनों की साझेदारी की। नूर ने 11वें ओवर में रहाणे और ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन (0) को लगातार गेंदों पर आउट किया।

बिहार में आज 3 नेता ही शपथ लेंगे; भाजपा से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ जेडीयू से 2 डिप्टी सीएम बिजेंद्र यादव, विजय चौधरी

पटना (एजेंसी)।

बिहार में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ बुधवार 15 अप्रैल को सिर्फ तीन नेता ही शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक आज सुबह लोकभवन में आयोजित सादे शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल सैयद अता हसनैन सीएम सम्राट चौधरी के साथ जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के वरिष्ठ नेता बिजेंद्र प्रसाद यादव और विजय कुमार चौधरी को डिप्टी सीएम पद की शपथ दिलाएंगे। भाजपा और जदयू के बाकी नेताओं के साथ-साथ एनडीए के बाकी सहयोगी दलों चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी - रामविलास (एलजेपी-आर), जीतनराम मांझी की हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के नेताओं को कैबिनेट विस्तार में मंत्री बनाया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक सम्राट चौधरी विधानसभा में बहुमत साबित करने के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते हैं, जिसमें भाजपा, जदयू, लोजपा-आर, हम और रालोमो के ज्यादातर पुराने मंत्रियों को फिर से मौका मिल सकता है। भाजपा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पार्टी 4 मई को पश्चिम बंगाल, असम और दूसरे राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कैबिनेट विस्तार की योजना बना रही है। तब तक सम्राट चौधरी विधानसभा का सत्र बुलाकर अपना बहुमत साबित कर लेंगे।

पिछले कुछ दिनों से चर्चा सरगर्म थी कि भाजपा के नए मुख्यमंत्री के साथ पहली किस्त में सीमित संख्या में मंत्री शपथ लेंगे। लेकिन वह संख्या इतनी सीमित हो जाएगी कि सीएम के साथ दो उप-मुख्यमंत्री तक सिमट जाएगा, ऐसा अंदाजा भी नहीं था। लेकिन जैसा जदयू नेता विजय कुमार चौधरी ने खुद ही दो दिन पहले कहा था कि अभी मंत्रिमंडल को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है, उससे यह संकेत तो मिल ही गया था कि मंत्रियों की लिस्ट पर एनडीए गठबंधन में बातचीत और सहमति नहीं बनी है।

एनडीए के दोनों प्रमुख दल भाजपा और जदयू के बीच मंत्रियों की संख्या और विभागों के बंटवारे पर शुरुआती सहमति बन जाएगी, तभी दोनों दल बचे हुए सहयोगी दल लोजपा-आर, हम और रालोमो से बातचीत करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष का पद भी भाजपा और जदयू के बीच लेन-देन की चर्चा का विषय हो सकता है, जिस पद पर अभी भाजपा के प्रेम कुमार हैं।

विकास का वादा, नीतीश का खास जिक्र; पहले भाषण में क्या बोले बिहार के नए 'सम्राट'

पटना (संवाददाता)।

सम्राट चौधरी बिहार के अगले मुख्यमंत्री होंगे। मंगलवार को उनके नाम की घोषणा होने के बाद वह पहली बार मीडिया के सामने आए। इस दौरान उन्होंने बिहार को समृद्ध बनाने की बात कही। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, बीएल संतोष और शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया। उन्होंने कहाकि हम शीर्ष नेतृत्व को आश्वस्त करते हैं कि पार्टी की विचारधारा को शीर्ष पर रखते हुए भारत को सबसे आगे रखा जाएगा।

इस दौरान सम्राट चौधरी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भी जिक्र करना नहीं भूले। उन्होंने कहाकि नीतीश कुमार जी ने बहुत कुछ सिखाया है। कैसे सरकार चलाई जाती है। कैसे बिहार में सुशासन स्थापित होगा। कैसे बिहार का विकास होगा। बिहार में कैसे लोकतंत्र स्थापित होगा। उन्होंने कहाकि जिस तरह से पीएम मोदी ने भारत को 2047 तक विकसित बनाने का सपना देखा है। जिस तरह से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्ध बिहार का सपना देखा है, हम सभी भाई मिलकर बिहार को भी समृद्ध बनाएंगे और देश को भी विकसित करेंगे।

सम्राट चौधरी ने कहाकि इसके लिए संगठन को मजबूत

बनाना है। सरकार का सुशासन सभी जाति धर्मों से ऊपर उठकर हर किसी के पास पहुंचाना है। चाहे पिछड़े हों, अतिपिछड़े हों, दलित हों, महादलित समाज हों, सभी तक विकास को पहुंचाना है। उन्होंने कहाकि सबका साथ, सबका विकास का सपना जो प्रधानमंत्री मोदी ने देखा है उस सपने को पूरा करना है। इससे

पार्टी का जताया आभार

बिहार के नए सीएम बनने जा रहे सम्राट चौधरी ने कहाकि भाजपा ने कभी प्रदेश पदाधिकारी के तौर पर, विधानमंडल दल में विधानपरिषद के नेता के तौर पर और संगठन के सर्वोच्च पद, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में पार्टी ने काम करने का मौका दिया। उन्होंने कहाकि साल 2024 में जब बिहार में एनडीए की सरकार बनी, तब भी डिप्टी सीएम के तौर पर काम करने काम मौका मिला। फिर 2025 में बिहार की जनता हमें बहुमत देकर मोदी जी और नीतीश जी की विचारधारा को जिताने का काम किया। तब भी बिहार में उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री के रूप में काम करने का मौका मिला।

पहले सम्राट चौधरी ने कहाकि भारतीय जनता पार्टी ने मुझे अपने जीवन में लगातार काम करने का मौका दिया है। एक राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर लगभग 30 साल से काम कर रहा हूं। लेकिन पहले कोई विचारधारा नहीं थी। उन्होंने जब प्रधानमंत्री मोदी के विचारों से इस पार्टी से जुड़ा। 2015 के चुनाव से लगातार भारतीय जनता पार्टी के लिए काम करता रहा।

पशुपति पारस की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती चाचा से मिलने पहुंचे भतीजे चिराग पासवान

पटना (संवाददाता)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सांस लेने में तकलीफ के बाद उन्होंने पटना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जैसे ही यह खबर केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान को मिली, वह अपने चाचा पारस से मिलने अस्पताल पहुंच गए। चिराग ने उनका हालचाल जाना और स्वस्थ होने की कामना की। बता दें कि चाचा-भतीजा में विवाद के बाद लोजपा में टूट हुई थी, जिसके बाद पार्टी दो गुटों में बंट गई थी।

रालोजपा चीफ पशुपति कुमार पारस का पटना के कंकड़बाग स्थित साईं अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल में उनके कई समर्थक मिलने पहुंचे और हालचाल जान। इस बीच चिराग पासवान भी मंगलवार को पटना पहुंचे, तो उन्हें चाचा के बीमार होने की जानकारी मिली। इसके बाद चिराग ने भी अस्पताल पहुंचकर चाचा का हालचाल जाना। रिपोर्ट्स के अनुसार, चिराग ने

पारस से मुलाकात करने के बाद कहा कि वह उनके पिता समान हैं। राजनीतिक मतभेद अलग हैं। मगर वह एक राजनेता की हैसियत से नहीं बल्कि एक बेटे के नाते उनसे मिलने आए।

बता दें कि लोजपा के संस्थापक रहे रामविलास पासवान के निधन के बाद उनकी विरासत को लेकर बेटे चिराग पासवान और भाई पशुपति पारस में विवाद हो गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल वाली केंद्र सरकार में रामविलास के बाद पशुपति पारस लोजपा कोटे से मंत्री बन गए थे।

सम्राट चौधरी आज 56 साल का रिकॉर्ड तोड़ेंगे

सीएम बनते ही एक चीज में कर्पूरी ठाकुर से बराबरी

पटना (संवाददाता)। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी राज्य में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पहले मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट को लगातार तीसरी बार नेता चुना गया है। सम्राट के नेतृत्व में एनडीए की नई सरकार 15 अप्रैल को शपथ लेगी। सम्राट चौधरी कल सीएम बनते ही अपशकुनी मान्यता से जुड़ा 56 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जो यह धारणा बनाता था कि जो डिप्टी सीएम बन जाता है, वो कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाता। सम्राट इसी के साथ समाजवादी नेता भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की भी बराबरी कर लेंगे, क्योंकि कर्पूरी ठाकुर वह आखिरी डिप्टी सीएम हैं, जिन्हें 56 साल पहले पहली बार सीएम बनने का मौका मिला था।

बिहार में कर्पूरी ठाकुर के बाद 56 साल से कोई उप-मुख्यमंत्री कभी मुख्यमंत्री की कुर्सी तक नहीं पहुंच पाया। कर्पूरी ठाकुर 1967 में पहली बार सोशलिस्ट पार्टी की महामाया प्रसाद सिन्हा सरकार में डिप्टी सीएम बने थे। लगभग एक साल तक वह उप-मुख्यमंत्री पद पर रहे। 1970 में कर्पूरी ठाकुर पहली बार सीएम बने और सरकार लगभग छह महीने चली। इमरजेंसी के बाद हुए चुनाव में जनता पार्टी की सरकार बनी तो कर्पूरी 1977 में दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। इस बार कर्पूरी की सरकार 2 साल से कुछ कम समय तक चली।

बिहार को आजादी के बाद से अब तक 10 डिप्टी सीएम मिले हैं। कर्पूरी ठाकुर से पहले कांग्रेस के अनुग्रह नारायण सिन्हा 11 साल डिप्टी सीएम रहे, लेकिन सीएम ना बन सके। कर्पूरी ठाकुर के बाद जगदेव प्रसाद, राम जयपाल सिंह

यादव, सुशील मोदी, तेजस्वी यादव, तार किशोर प्रसाद, रेणु देवी, सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा डिप्टी सीएम बने। कर्पूरी 1970 में पहली बार सीएम बने थे। उनके बाद बना कोई डिप्टी सीएम अब तक सीएम नहीं बन पा रहा था। 56 साल बाद सम्राट चौधरी ने उस रिकॉर्ड और उस मान्यता को ध्वस्त कर दिया है।

बिहार में भाजपा के संस्थापक नेताओं में रहे सुशील मोदी कई बार नीतीश सरकार में डिप्टी सीएम बने, लेकिन कभी सीएम नहीं बन पाए। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव भी दो बार डिप्टी सीएम बने, लेकिन मुख्यमंत्री नहीं बन पा रहे हैं। सम्राट चौधरी दो बार डिप्टी सीएम बनने के बाद प्रमोशन की लंबी छलांग मारकर सीएम बनने जा रहे हैं। सम्राट चौधरी अब तक तीन बार भाजपा विधायक दल का नेता चुने गए हैं। पहली दो बार वो डिप्टी सीएम बने। नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद भाजपा को सरकार का नेतृत्व करना है, इसलिए अब बीजेपी विधायक दल का नेता ही एनडीए का नेता और मुख्यमंत्री होगा। बिहार में भाजपा के नेतृत्व में यह पहली एनडीए सरकार होगी।

लखनपुर में होली, मुंगेर में दिवाली; सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर तारापुर में जश्न

मुंगेर (संवाददाता)। सम्राट चौधरी को बिहार के नए मुख्यमंत्री के रूप में चुने जाने के बाद उनके पैतृक गांव लखनपुर से लेकर तारापुर विधानसभा और मुंगेर शहर तक में जश्न का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इसे 'सम्राट चौधरी के कार्यों की जीत' बताया। लोगों का कहना है कि तारापुर और मुंगेर के लिए यह सौभाग्य की बात है कि उनके क्षेत्र के विधायक बिहार के अगले मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं।

तारापुर विधानसभा के भाजपा विधायक सम्राट चौधरी के सूबे का मुख्यमंत्री बनाए जाने का मार्ग प्रशस्त होते ही लखनपुर गांव स्थित उनके आवास के समीप जश्न का माहौल बन गया। इस खबर से उत्साहित आसपास के गोतिया (रिश्तेदार) एवं ग्रामीणों की टोली उनके घर के पास एकत्रित होकर खुशी का इजहार करने लगी। लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी और जमकर जश्न मनाया। जश्न में शामिल लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़ेगा। युवाओं के रोजगार के लिए नए कल-कारखाने स्थापित होंगे, अपराध पर सख्त नियंत्रण लगेगा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सड़क जैसी मूलभूत

सुविधाओं में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा।

ग्रामीणों ने कहा कि पहली बार मुंगेर जिले के किसी व्यक्ति का मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाने का श्रेय उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दिया। लोगों ने यह भी याद दिलाया कि वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव के दौरान असरगंज में भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने तारापुर की जनता से वादा किया था कि यदि वे सम्राट चौधरी को भारी बहुमत से जिताते हैं, तो उन्हें और बड़ी जिम्मेदारी दी जाएगी। जनता ने इस वादे का सम्मान करते हुए सम्राट चौधरी को लगभग 45 हजार मतों के अंतर से विजयी बनाया, जो तारापुर के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। गौरतलब है कि सम्राट चौधरी ने अपने पिता शकुनी चौधरी के 35 हजार मतों के अंतर से जीत के रिकॉर्ड को भी पार कर लिया। इससे उन्होंने अपने परिवार के राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय जोड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में चहुंमुखी विकास होगा और मजदूरों का पलायन रुकेगा। सम्राट के मुख्यमंत्री बनाये जाने से अधर में लटके सुल्तानगंज - देवघर रेल लाइन निर्माण में भी तेजी आने की संभावना व्यक्त की है।

भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए सम्राट चौधरी

पटना में मंगलवार दोपहर बाद हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी को नेता चुना गया। इसके बाद साफ हो गया कि बिहार का अगला सीएम सम्राट ही होंगे। अब एनडीए विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना जाएगा। इसके बाद सम्राट नई सरकार बनाने का दावा राज्यपाल के सामने पेश करेंगे। फिर बुधवार को उनका शपथ ग्रहण प्रस्तावित है।

नीतीश की जगह लेंगे सम्राट

सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार की जगह लेंगे। नीतीश ने मंगलवार को हुई अपने पद से इस्तीफा दिया। नीतीश लगभग 20 सालों से बिहार के मुख्यमंत्री रहे। अब वे राज्यसभा चले गए हैं। इसके बाद बिहार में भाजपा के पहले सीएम के रूप में सम्राट के नाम का ऐलान किया गया।

मुंगेर में निकाला गया विजय जुलूस

बिहार की सियासत में हुए बड़े उलटफेर के बाद एनडीए की नई सरकार के गठन और तारापुर विधायक सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाने की घोषणा से मुंगेर में भाजपा व एनडीए कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। मंगलवार को लल्लू पोखर स्थित मुंगेर विधायक कुमार प्रणय के कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। इस दौरान भाजपाइयों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया और मिठाई खिलाकर बधाई दी। विधायक कार्यालय से शुरू हुआ जश्न विजय जुलूस के रूप में पूरे शहर में भ्रमण के लिए निकला। कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल चौक और अटल बिहारी वाजपेयी चौक पर रुककर राहगीरों के बीच मिठाइयां बांटीं और आतिशबाजी की। ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते कार्यकर्ताओं ने 'सम्राट चौधरी जिंदाबाद' और 'एनडीए गठबंधन जिंदाबाद' के गगनभेदी नारे लगाए। जश्न के दौरान पूरे शहर का माहौल उत्सवपूर्ण बना रहा।

एक साथ 41 सीओ और राजस्व अधिकारी सस्पेंड

पटना (संवाददाता)। बिहार में सम्राट चौधरी की सरकार बनने से पहले ही प्रशासनिक रूप से बड़ी कार्रवाई हुई है। बीते सवा महीने से हड़ताल कर रहे सीओ और आरओ पर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सख्ती दिखाई है। विभाग ने एक साथ 41 अंचल एवं राजस्व अधिकारियों को सस्पेंड करने का आदेश निकाल दिया। इससे हड़ताली सीओ एवं आरओ के बीच हड़कंप मच गया। विभागीय मंत्री रहे विजय सिन्हा पूर्व में कई बार हड़ताल कर रहे अधिकारियों को निलंबन, सेवा टूट और प्रमोशन रोकने की चेतावनी दे चुके हैं।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से सोमवार देर रात को 41 अधिकारियों को निलंबित करने के अलग-अलग आदेश निकाले। निलंबित अधिकारियों में अधिकतर अचंलाधिकारी हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी अधिकारी हड़ताल में शामिल हैं और इनके अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर जाने से विभागीय काम प्रभावित हो रहे हैं। विभाग की ओर से जारी आदेशों में आरोप लगाए गए कि निलंबित अधिकारियों ने अनाधिकृत रूप से काम को बाधित किया। इन पर जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य को बाधित करने, सरकार की नीतियों की आलोचना करने, सहकर्मियों को भड़काने, उच्च अधिकारियों के आदेश का पालन नहीं करने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं।

सम्राट चौधरी से कहेंगे, शराब चालू हो

अनंत सिंह बोले- बिहार के मालिक नीतीश कुमार ही रहेंगे

पटना (संवाददाता)। मोकामा से जनता दल यूनाइटेड के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने सम्राट चौधरी को बिहार का नया मुख्यमंत्री चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने एक बार फिर शराबबंदी हटाने की मांग की। जदयू विधायक ने कहा कि बिहार में शराब चालू होनी चाहिए। शराब के अलावा दूसरे नशे बहुत बढ़ गए हैं। अनंत सिंह ने कहा कि वह इस बारे में नए सीएम सम्राट चौधरी से बात करेंगे। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे चुके जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार के बारे में उन्होंने कहा कि बिहार के मालिक वही रहेंगे।

अनंत सिंह ने बिहार विधान मंडल परिसर के बाहर मंगलवार को मीडिया से बातचीत में यह बयान दिया। इससे पहले उन्होंने विधान मंडल के सेंट्रल हॉल में आयोजित एनडीए विधायक दल की बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। वह बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद एनडीए की नई सरकार के गठन की प्रक्रिया चल रही है।

पत्रकारों से बातचीत में विधायक अनंत सिंह ने कहा कि जदयू से नीतीश के बेटे निशांत कुमार डिप्टी सीएम बनेंगे। निशांत उपमुख्यमंत्री बनते हैं तो उन्हें

खुशी होगी। अनंत सिंह ने खुद के नई सरकार में मंत्री बनने की बात से इनकार कर दिया। बता दें कि बिहार में एनडीए की नई सरकार का शपथ ग्रहण बुधवार को होगा। सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ जेडीयू से डिप्टी सीएम का शपथ ग्रहण भी होगा। हालांकि, उपमुख्यमंत्री के नाम का ऐलान अभी तक नहीं हुआ है। निशांत के नाम की चर्चा चल रही है, लेकिन बताया जा रहा है कि वह अभी राजी नहीं हैं।

बीते 16 मार्च को जब अनंत सिंह जेल से राज्यसभा चुनाव में वोट डालने विधानसभा पहुंचे थे, तब मीडिया से बातचीत में उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया था। अनंत सिंह ने कहा था कि नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, तो वह भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा था कि 2030 के विधानसभा चुनाव में वे अपने बेटे को मोकामा से उतारेंगे।

जेल से बाहर आने के बाद सक्रिय हैं अनंत सिंह

अनंत सिंह पटना जिले की मोकामा विधानसभा सीट से जेडीयू के बाहुबली विधायक हैं। अपने अनोखे अंदाज और बयानों को लेकर अक्सर वे चर्चा में रहते हैं। पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान मोकामा में बाहुबली दुलारचंद यादव की हत्या कर दी गई थी। इस केस में अनंत सिंह आरोपी बनाए गए थे और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल में रहकर ही अनंत ने विधानसभा का चुनाव जीता और विधायक चुने गए थे। पिछले दिनों ही पटना हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद अनंत सिंह जेल से बाहर आए। इसके बाद से वे लगातार सक्रिय हैं।

बस्तर में विकास की नई गूंज : मुख्यमंत्री ने सुकमा को दी 308 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर।

नक्सलवाद के प्रभाव से उबरकर नए विश्वास और विकास की राह पर अग्रसर बस्तर क्षेत्र में आज एक महत्वपूर्ण पड़ाव जुड़ गया, जब मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिले को 308 करोड़ रुपए से अधिक के 228 विकास कार्यों की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने 159 कार्यों का शिलान्यास और 69 कार्यों का लोकार्पण करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति प्रदान की।

मिनी स्टेडियम सुकमा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 40 वर्षों से नक्सलवाद के कारण पिछड़े रहे क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में बस्तर में शांति स्थापित हुई है और अब यहां विकास की गंगा बह रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिन गांवों में कभी हिंसा और भय का माहौल था, वहां आज स्कूलों की घंटियां गूंज रही हैं और लोग लोकतंत्र पर भरोसा जताते हुए मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि 3 हजार से अधिक माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं और उन्हें पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से नई जिंदगी की शुरुआत के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी स्वास्थ्य परीक्षण कराया और 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' के तहत स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को घर-घर तक सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना की। इस अभियान के तहत 7 जिलों में 1100 टीमें घर-घर जाकर स्वास्थ्य जांच करेंगी। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री श्री साय ने मिनी स्टेडियम में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया और आम नागरिकों एवं हितग्राहियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने मौके पर ही विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता सामग्री और प्रमाण पत्र वितरित कर शासन की संवेदनशीलता का परिचय दिया। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में मुख्यमंत्री ने 7 टीबी मुक्त पंचायतों को प्रमाण पत्र प्रदान किए और जानकारी ली कि जिले में अब तक 28 पंचायतें टीबी मुक्त हो चुकी हैं। उन्होंने 3 टीबी मरीजों से संवाद कर उन्हें फूड बास्केट वितरित किया। मोतियाबिंद ऑपरेशन कराए मरीजों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से चश्मा पहनाकर उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की। साथ ही दवा और आई ड्रॉप भी वितरित किए गए। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए मूर्तोंडा, पेंटा और कांकेरलंका उपस्वास्थ्य केंद्रों को एनक्वास सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। समाज कल्याण विभाग के स्टॉल में मुख्यमंत्री श्री साय ने आईईडी ब्लास्ट में पैर गंवा चुके 5 हितग्राहियों को कृत्रिम पैर प्रदान किए। इसके अलावा 4 व्हीलचेयर और 3 ट्राइसिकल भी वितरित किए गए तथा 6 दिव्यांगजनों को पहचान पत्र देकर उन्हें योजनाओं से जोड़ने की पहल की गई। एनआरएलएम स्टॉल में स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें 'लखपति दीदी से करोड़पति दीदी' बनने के लिए प्रेरित किया और सरकार की ओर से हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के स्टॉल में हितग्राहियों से बातचीत कर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। आदिवासी विकास विभाग के माध्यम से 15 वनाधिकार पत्र वितरित किए गए, जिससे आदिवासी परिवारों को उनके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई। वन विभाग के स्टॉल में तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े हितग्राहियों को सहायता प्रदान की गई। सहकारी समिति तोंगपाल को 4.27 लाख रुपए का सांकेतिक चेक दिया गया तथा एक हितग्राही को संग्रहण कार्ड वितरित किया गया। इसके साथ ही पुनर्वासित स्व-सहायता समूह की महिलाओं को 2 ई-रिक्शा प्रदान कर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया गया और एक हितग्राही को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया गया।

नियद नेल्लानार 2.0 और 8 बड़ी घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि नियद नेल्लानार योजना के तहत अब तक 500 से अधिक गांवों में 17 विभागों की 45 योजनाओं के माध्यम से विकास कार्य किए गए हैं। इस योजना के अगले चरण 'नियद नेल्लानार 2.0' में अब 10 जिलों को शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए 8 महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं, जिनमें सड़क निर्माण, पुलिया निर्माण, बस स्टैंड, सामुदायिक भवन और मंदिर जीर्णोद्धार जैसे कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल, सांसद श्री महेश कश्यप, मुख्य सचिव श्री विकास शील, स्वास्थ्य सचिव श्री अमित कटारिया, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव श्री रजत बंसल सहित वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ चिकित्सा पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

बस्तर में स्वास्थ्य क्रांति की नई शुरुआत: सुकमा में 'अटल आरोग्य लैब' का राज्यस्तरीय शुभारंभ

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुकमा जिला चिकित्सालय में 'अटल आरोग्य लैब' का राज्यस्तरीय शुभारंभ किया। यह पहल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई क्रांति का आधार बनेगी, जो विशेष रूप से दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों के नागरिकों को आधुनिक एवं सुलभ जांच सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य शासन का स्पष्ट संकल्प है कि प्रदेश के हर नागरिक तक उत्कृष्ट, किफायती और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएं। उन्होंने कहा कि अटल आरोग्य लैब के माध्यम से अब प्रदेश के 1046 स्वास्थ्य संस्थानों - जिला अस्पतालों से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक -मुफ्त जांच की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे लाखों नागरिकों को सीधे लाभ मिलेगा। इस अत्याधुनिक डिजिटल प्रणाली के माध्यम से मरीजों को 133 प्रकार की जांचें निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। जांच रिपोर्ट एसएमएस और व्हाट्सऐप के माध्यम से सीधे मरीजों तक पहुंचेगी, जिससे उन्हें बार-बार अस्पताल आने की आवश्यकता नहीं होगी और उपचार प्रक्रिया में तेजी आएगी। यह व्यवस्था न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक पारदर्शी और सुलभ भी बनाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश की डायग्नोस्टिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा रहा है। इससे रक्त जांच सहित विभिन्न रोगों की पहचान शीघ्र और सटीक रूप से संभव होगी, जिससे समय पर उपचार शुरू कर मरीजों के स्वास्थ्य लाभ की दर में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी कहा कि विशेष रूप से बस्तर जैसे दूरस्थ अंचलों में ऐसी आधुनिक सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की प्राथमिकता है, ताकि यहां के नागरिकों को बेहतर इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। अटल आरोग्य लैब इस दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करेगी। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय सुकमा में पहले से ही ब्लड बैंक, सोनोग्राफी, एक्स-रे, ईसीजी, आपातकालीन सेवाएं, सीजेरियन प्रसव, एनआरसी एवं डायलिसिस जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अब अटल आरोग्य लैब के जुड़ने से यहां की स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुदृढ़ एवं व्यापक हो जाएंगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल, बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, महिला आयोग सदस्य सुश्री दीपिका सोरी, कमिश्नर श्री डोमन सिंह, आईजी श्री सुंदरराज पी. सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेशभर में भारतरत्न डॉ. अम्बेडकर की 136वीं जयंती प्रभावशाली कार्यक्रमों के साथ मनाएगी

रायपुर।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी ने बताया है कि 14 अप्रैल को भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 136वीं जयंती भाजपा प्रदेशभर में प्रभावशाली कार्यक्रमों के साथ मनाने जा रही है। श्री सोनी ने सोमवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में आहूत पत्रकार वार्ता में भाजपा द्वारा रखे जा रहे कार्यक्रमों पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि प्रतिवर्ष भाजपा द्वारा डॉ. अंबेडकर की गरिमा और सम्मान के अनुरूप राष्ट्रव्यापी स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री सोनी ने बताया कि जयंती के कार्यक्रमों के क्रम में सबसे पहले सोमवार 13 अप्रैल को पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रम अनुसार प्रत्येक उन स्थलों पर जहां डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा है, वहाँ चौक-चौराहों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया एवं प्रतिमा व प्रतिमा स्थल की साफ- सफाई की गई। इसी के साथ सोमवार की संध्या भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक विकासखंडों, नगर पंचायत, नगर पालिकाओं में बाबा साहब की प्रतिमा के सम्मुख दीप जलाकर दीपोत्सव का कार्यक्रम रखा। श्री सोनी ने कहा कि कल मंगलवार, 14 अप्रैल को बाबासाहब की जयंती के अवसर पर सभी मंडल कार्यालयों, विधानसभा कार्यालयों, जिला कार्यालयों एवं प्रदेश कार्यालय में बाबासाहब के तैलचित्र पर माल्यार्पण किया जाएगा एवं उनके जीवन पर प्रकाश डाला जाएगा और देश को उनके महती योगदान पर चर्चा की जाएगी। श्री सोनी ने कहा कि भाजपा के छह प्रमुख कार्यक्रमों में से एक 14 अप्रैल बाबासाहब की जयंती का कार्यक्रम है जिसे प्रत्येक बूथ तक पहुँचकर मनाने की योजना भाजपा द्वारा बनाई गई है । इसी प्रकार विशेष संपर्क अभियान पूरे देश में बाबासाहब की जयंती पर भाजपा द्वारा चलाया जा रहा है। इसमें जिन स्थानों पर बाबा साहब के अनुयायियों की बहुलता है, उन स्थानों पर समरसता भोज आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का संदेश पहुँचाएंगे और उनको अपने देश के विकास में सहभागी बनाने का काम करेंगे।भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री सोनी ने कहा कि 14 तारीख को राजधानी रायपुर में भी बहुत-से कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें मुख्यमंत्री श्री साय और प्रदेश अध्यक्ष किरण देव भी शामिल होंगे। सभी स्तर के कार्यकर्ता इस कार्यक्रम को आने वाले एक सप्ताह तक बूथ स्तर तक करेंगे। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए 15 अप्रैल से 20 तारीख तक प्रत्येक जिला केंद्र में बाबासाहब के विचारों पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। उक्त प्रेस वार्ता में भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, भाजपा जिला अध्यक्ष रमेश ठाकुर और प्रदेश प्रवक्ता किरण बघेल भी उपस्थित थीं।

नन्हे सपनों को मिला नया पक्की छत का सहारा

बीजापुर।

ग्राम सावनार जो ग्राम पंचायत तोड़का जनपद पंचायत बीजापुर का एक छोटा सा आश्रित गांव है, यह गांव कभी नक्सली दहशत के साएं में विकास से अछूता था। बच्चों को अक्षर ज्ञान भी झोपड़ी में ही लेनी पड़ रही थी। लेकिन नियद नेल्लनार गांव में शामिल होने के बाद गांव की तस्वीर बदल गई है और इस बदलते परिवेश में साथ मिला महात्मा गांधी नरेगा योजना का। महात्मा गांधी नरेगा और डीएमएफ के अभिसरण से 9.35 लाख रुपये की स्वीकृति से एक नए आंगनबाड़ी भवन का निर्माण हुआ। यह भवन सिर्फ ईंट और सीमेंट से नहीं बनाए बल्कि इसमें गांव के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के सपने भी जुड़े हुए हैं। अब हर सुबह सावनार के लगभग 40 से 45 बच्चे इस नए आंगनबाड़ी केंद्र में मुस्कान के साथ पहुंचते हैं। रंग-बिरंगे कमरे, साफ-सुथरा वातावरण और सुरक्षित जगह उन्हें एक नया अनुभव देते हैं। यहां उन्हें न सिर्फ पढ़ना-लिखना सिखाया जाता है, बल्कि पोषण आहार और स्वास्थ्य सेवाएं भी मिलती हैं। पहले जो बच्चे असुविधा के कारण नियमित नहीं आ पाते थे, अब वे उत्साह के साथ हर दिन आते हैं। उनकी आंखों में चमक है, मन में उत्साह है और सपनों को उड़ान देने का हौसला भी। यह आंगनबाड़ी भवन अब सिर्फ एक इमारत नहीं रहा, बल्कि गांव के नन्हे बच्चों के सपनों का नया घर बन गया है, जहां से उनका भविष्य मजबूत, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026

मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 20 अप्रैल तक करें दावा-आपत्ति

बीजापुर। त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 के तहत सरपंच एवं पंच पदों के निर्वाचन हेतु जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूचियों) का प्रारंभिक प्रकाशन 13 अप्रैल 2026 को किया गया है। ग्राम पंचायत हल्लूर, रेड्डी, मेटापाल, गोगला, तोड़का, पदेड़ा, चिन्नाकवाली, एरमनार, पदमूर, बासागुड़ा एवं गोरला की मतदाता सूचियां संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत कार्यालय तथा तहसील कार्यालय में निःशुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध हैं। यदि कोई व्यक्ति मतदाता सूची में नाम जोड़ने या सुधार के संबंध में दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना चाहता है, तो वह निर्धारित प्रारूप में 20 अप्रैल 2026, अपरान्ह 3:00 बजे तक संबंधित कार्यालयों में आवेदन जमा कर सकता है। छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम 1965 के नियम 11(1) के अनुसार दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत करने के लिए यह अनिवार्य है कि आवेदक का नाम भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित निर्वाचक नामावली में दर्ज हो। यदि किसी आवेदक का नाम उक्त सूची में दर्ज नहीं है, तो वह प्रारूप क, ख एवं ग में आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सकेगा। ऐसी स्थिति में आवेदक को अपना नाम 24 अप्रैल 2026 तक भारत निर्वाचन आयोग की निर्वाचक नामावली में दर्ज कराना होगा और प्रारूप क-1 में संबंधित रजिस्ट्रीकरण या सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करना होगा। निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे एवं आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्वास्थ्य जाँच का महाअभियान मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान

बीजापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा 13 अप्रैल से मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान की शुरुआत सुकमा जिले से कर दी गयी है इसके साथ ही बस्तर संभाग के अन्य जिलों के साथ- साथ बीजापुर में भी अभियान की शुरुआत हो गयी है मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान अंतर्गत स्वास्थ्य टीम द्वारा घर -घर जाकर सभी व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच (वजन, ऊँचाई, शुगर, बी.पी., मलेरिया, टी.बी., कुष्ट सहित आयुष्मान कार्ड व आभा आई डी बनाकर) कर डिजिटल हेल्थ प्रोफ़ाइल बनाया जायेगा । इस सुनहरे मौके का लाभ उठाने जिला प्रशासन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के नागरिको से अपील की है व जाँच में सहयोग करने का अनुरोध भी किया है।

भटके कदमों को नई दिशा: सुकमा में पुनर्वास से विकास की कहानी लिख रही है सरकार

मुख्यमंत्री ने पुनर्वास केंद्र का किया अवलोकन, पुनर्वासितों से किया आत्मीय संवाद

रायपुर।

नक्सल आतंक से लंबे समय तक प्रभावित रहे सुकमा में अब शांति, विश्वास और विकास की नई तस्वीर उभर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुकमा जिला मुख्यालय स्थित पुनर्वास केंद्र का दौरा कर वहां संचालित पुनर्वास एवं कौशल विकास गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने पुनर्वासित लोगों से आत्मीय संवाद कर उनके अनुभव जाने और उन्हें मुख्यधारा से जुड़कर नया जीवन प्रारंभ करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार भटके हुए लोगों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सम्मानजनक जीवन, रोजगार और आगे बढ़ने के समान अवसर देने के लिए दृढ़संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पुनर्वासितों की आंखों में दिखता आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि यदि सही अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो हर भटका हुआ कदम नई दिशा और नया जीवन प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की प्रभावी नक्सल पुनर्वास नीति के चलते सुकमा सहित बस्तर क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। अब तक 2392 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का निर्णय लिया है, जिनमें से 361 पुनर्वासितों ने नया जीवन प्रारंभ कर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल पुनर्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि इन नागरिकों को सम्मानजनक जीवन, स्थायी रोजगार और समाज में बराबरी का अवसर प्रदान करना है। पुनर्वास केंद्र में राजमिस्त्री, कपड़ा सिलाई, कृषि उद्यमिता और वाहन चालक जैसे विभिन्न ट्रेडों में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में अब तक 307 हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया गया है, वहीं मुख्यधारा में लौटे 313 युवाओं को प्रतिमाह 10 हजार रुपये का स्टाइपेंड भी प्रदान किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा 107 पुनर्वासित हितग्राहियों को मोबाइल फोन वितरित किए गए हैं, जिससे वे डिजिटल और संचार माध्यमों से जुड़कर आधुनिक जीवनशैली की ओर अग्रसर हो सकें। विशेष रूप से 115 महिलाएं प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के आश्रितों को भी राहत प्रदान करते हुए अनुकंपा नियुक्ति के तहत पुलिस विभाग में 20 तथा जिला प्रशासन द्वारा 95 लोगों को शासकीय सेवा में रोजगार के अवसर दिए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्राम ढोंडरा कोंटा निवासी मौसम संजना, नागारास जगरगुंडा निवासी भरत कुमार हेमला सहित अन्य हितग्राहियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग के अंतर्गत 10 नव नियुक्त शिक्षकों को भी नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने पुनर्वासित हितग्राहियों को मोबाइल, राजमिस्त्री किट, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की चाबियां तथा पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर 25 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपकर उन्हें सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने नक्सल पुनर्वास की सफलता की प्रेरणादायक कहानियों को दर्शाती 'बदलते सुकमा की बदलती तस्वीर: पुनर्वास से विकास तक' कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। साथ ही, पुनर्वास केंद्र के कला केंद्र में कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक बदलाव का भी प्रतीक है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ईरान ने निभाई भारत से दोस्ती, होर्मुज पर टोल टैक्स वसूलने से किया इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर तनाव के बीच भारत के लिए खुशखबरी है। ईरान ने साफ कर दिया है कि होर्मुज से भारतीय जहाजों से गुजरने के लिए कोई टोल नहीं वसूला जा रहा है। साथ ही कहा कि भारतीय जहाजों को भविष्य में भी सुरक्षित रास्ता दिया जाएगा। खास बात है कि यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों और होर्मुज जलमार्ग पर नाकेबंदी का ऐलान किया है। सीजफायर के बाद भी कहा जा रहा था कि ईरान और ओमान टोल टैक्स वसूल सकते हैं।

दूतावास में पत्रकारों से बातचीत में भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली ने कहा, 'आप भारत सरकार से पूछ सकते हैं कि क्या हमने अब तक कोई रकम वसूली है या नहीं।' उन्होंने कहा, 'इस मुश्किल समय में हमारे अच्छे संबंध हैं। हमारा मानना है कि भारत और ईरान हित साझा कर सकते हैं।'

फताली ने कहा कि भारतीय जहाजों को होर्मुज से सुरक्षित निकलने दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'भारत सरकार के साथ ईरान के रिश्ते बहुत मजबूत और भरोसेमंद हैं।

मुश्किल समय में भारत ने खुद को एक समझदार और विश्वसनीय साथी साबित किया है, और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक रिश्ते आज भी बहुत गहरे हैं।' उन्होंने कहा, 'भविष्य में भी भारतीय जहाजों को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सुरक्षित निकलने दिया जाएगा।' उन्होंने जानकारी दी कि जल्द ही ईरान एक व्यवस्था का ऐलान करेगा, जिसमें जहाजों के निकलने की प्रक्रिया बताई जाएगी।

फंसे हैं 15 भारतीय जहाज

बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि होर्मुज में फंसे 15 भारतीय ध्वज वाले पोतों को वापस लाने के प्रयास जारी हैं। अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि हम विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर अपने पोतों को वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। जैसे ही हालात अनुकूल होंगे और पोतों को होर्मुज से सुरक्षित रूप से गुजरने की अनुमति मिलेगी, उन्हें वापस लाया जाएगा। फिलहाल कुल 15 भारतीय ध्वज वाले और भारतीय स्वामित्व वाले पोत वहां मौजूद हैं।

कई देश नाकेबंदी के खिलाफ

ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी को लेकर कई देशों ने समर्थन नहीं किया। ब्रिटेन के खुलकर कहा कि वह इसका समर्थन नहीं करेगा। जापान ने होर्मुज में माइनस्वीपर तैनाती का फैसला टाल दिया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि उन्हें अमेरिका की तरफ से इसको लेकर कोई संदेश नहीं मिला है।

हमारे काम में दखल मत देना, चीन की अमेरिका को सीधी वॉर्निंग

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका की तरफ से की गई ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी ने चीन को भड़का दिया है। अब चीन ने अमेरिका को साफ चेतावनी दे दी है कि उसके मामलों में दखल न दिया जाए। यह बयान ऐसे समय पर सामने आया है, जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से चीन के जहाजों को वापस लौटना पड़ा। पाकिस्तान में हुई ईरान के साथ वार्ता फेल होने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाकेबंदी के आदेश दिए थे।

चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन ने कहा कि उनका देश क्षेत्र में शांति और स्थिरता के पक्ष में है, लेकिन वह ईरान के साथ अपने ऊर्जा और व्यापार समझौतों का सम्मान करेगा और अपने हितों में किसी बाहरी दखल को स्वीकार नहीं करेगा। चीन ने इस बात पर जोर दिया है कि स्ट्रेट पर ईरान का नियंत्रण है और यह जलमार्ग चीन के लिए खुला रहेगा। उन्होंने कहा, 'हमारे जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पानी में आ और जा रहे हैं। ईरान के साथ हमारे व्यापार और ऊर्जा के समझौते हैं। हम उन समझौतों का सम्मान करेंगे और उन्हें निभाएंगे, और हम उम्मीद करते हैं कि दूसरे हमारे मामलों में दखल नहीं देंगे।' स्पेन की रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोब्लेस ने नाकेबंदी की चेतावनी को 'बेमतलब' करार देते हुए कहा कि यह संघर्ष पहले ही दुनिया को एक खतरनाक स्थिति में ले जा चुका है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि उन्हें नाकेबंदी में शामिल होने के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है और जलमार्ग सभी देशों के लिए खुला रहना चाहिए।

ईरान ने दे दी धमकी

जवाब में ईरान ने फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के सभी बंदरगाहों को निशाना बनाने की धमकी दी। इससे दोनों पक्षों के बीच युद्ध-विराम के विफल होने और लड़ाई फिर से छिड़ने की आशंका बढ़ गई है। समुद्री सुरक्षा की निगरानी करने वाली 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस एजेंसी' ने नाविकों के लिए एक नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया है कि नाकेबंदी में 'बंदरगाहों और ऊर्जा बुनियादी ढांचे सहित पूरी ईरानी तटरेखा' शामिल है।

पैसे वापस करो, यूएई का पाकिस्तान को अल्टीमेटम

अब किस पर टिकी शहबाज की उम्मीदें?

वाशिंगटन (एजेंसी)।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने जानकारी दी है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी कर्ज के दबाव के बीच, पाकिस्तान अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बनाए रखने के लिए अन्य देशों और बैंकों से नए कर्ज लेने पर विचार कर रहा है। यह स्थिति तब और गंभीर हो गई जब संयुक्त अरब अमीरात ने पाकिस्तान से अपने 3 अरब डॉलर के कर्ज की पूरी अदायगी की मांग की है। यूएई का कर्ज चुकाने में पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। उसे कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है।

इस महीने पाकिस्तान और UAE के बीच कर्ज चुकाने की अवधि को आगे बढ़ाने पर सहमति नहीं बन पाई। पिछले सात सालों में यह पहली बार है जब UAE ने इस तरह की मोहलत देने से इनकार किया है। मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के कारण पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रही है।

अब UAE के इस फैसले ने देश के बाहरी वित्तीय सुरक्षा कवच पर दबाव और बढ़ा दिया है। वाशिंगटन में ब्लूमबर्ग से बात करते हुए वित्त मंत्री औरंगजेब ने कहा कि इस कमी को पूरा करने के लिए वे वाणिज्यिक विकल्पों और अन्य देशों से कर्ज लेने सहित कई रास्तों पर विचार कर रहे हैं। 27 मार्च तक पाकिस्तान के पास 16.4 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था, जो लगभग तीन महीने के आयात (इंपोर्ट) का खर्च उठाने के लिए काफी है। वित्त मंत्री ने दावा किया कि फरवरी के अंत में ईरान पर हुए अमेरिकी-इजरायली हमले से पहले पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति मजबूत थी।

चीन और सऊदी अरब से बातचीत?

जब वित्त मंत्री से पूछा गया कि क्या वित्तीय मदद के लिए चीन और सऊदी अरब से कोई बातचीत चल रही है, तो उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, ब्लूमबर्ग की पहले की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि इस तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

मुजफ्फरपुर साहित्य महोत्सव 2026

डॉ. मनीष कुमार शशि सम्मानित, लेखनी से समाज परिवर्तन का दिया संदेश

बक्सर (संवाददाता)। साहित्य समाज का दर्पण होता है, जिसके माध्यम से हम अपने समय, परिवेश और सामाजिक वास्तविकताओं का सजीव चित्रण कर सकते हैं। साहित्य और संगीत का संबंध भी अत्यंत प्राचीन और गहरा रहा है, जो मानव जीवन को संवेदनशीलता और अभिव्यक्ति की नई दिशा देता है।

इन्हीं विचारों को व्यक्त करते हुए शिक्षक एवं साहित्यकार डॉ. मनीष कुमार शशि ने मुजफ्फरपुर साहित्य महोत्सव सम्मान 2026 प्राप्त किया। सम्मान ग्रहण करते हुए उन्होंने कहा कि साहित्य केवल शब्दों का संयोजन नहीं है, बल्कि यह समाज में जागरूकता, परिवर्तन और नवचेतना का सशक्त माध्यम है। एक सच्चा लेखक अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को ऊर्जा देने के साथ-साथ उसे सही दिशा में सोचने के लिए प्रेरित करता है।

विदित हो कि एम.एस. केसरी पब्लिकेशन, भारत द्वारा हाल ही में मुजफ्फरपुर में एक भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं साहित्य महोत्सव का आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ नेपाल और श्रीलंका से आए कवियों और साहित्यकारों ने भी अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी, जिससे कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्राप्त हुआ।

बक्सर जिले के डुमरांव (हरिजी हाता) निवासी डॉ. मनीष कुमार शशि न केवल बिहार सरकार द्वारा सम्मानित शिक्षक हैं, बल्कि वे एक प्रभावशाली वक्ता और सशक्त लेखक के रूप में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। वे लंबे समय से विभिन्न साहित्यिक मंचों के माध्यम से सामाजिक, शैक्षणिक और समसामयिक मुद्दों पर अपनी लेखनी के जरिए आवाज उठाते रहे हैं। प्रगतिशील लेखक संघ, बक्सर सहित कई संगठनों से जुड़कर उन्होंने साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई है।

उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से पूरे शिक्षक समाज में हर्ष और गर्व का माहौल है। विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बधाई देने वालों में डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह, विकास कुमार, अशफाक आलम, ब्रजेश राय, रमेश कुमार, प्रमोद कुमार चौबे, धनंजय मिश्रा, धीरज मिश्रा, निखत फातमा, सीमा ओझा, अनीता यादव, सारिका चौधरी, अरविन्द प्रियदर्शी, सिराजुल इस्लाम, दीप्ति साहू, तबरेज खान, आकांक्षा यादव और रिंकी कुमारी सहित कई अन्य शिक्षक शामिल हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नारी शक्ति को बताया प्रगति का आधार, कहा- 'बेटी बचाओ' से 'बेटी बढ़ाओ' के युग में भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि भारत की निरंतर हो रही प्रगति, चहुंमुखी विकास और वैश्विक पटल पर बढ़ती पहचान के मूल में नारी शक्ति निहित है. उन्होंने जोर देकर कहा कि आज की भारतीय नारी ने अपनी एक विशिष्ट और सशक्त पहचान बनाई है, जो देश के गौरव को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है.

सोमवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने अतीत और वर्तमान की तुलना करते हुए कहा कि एक दौर वह भी था जब बेटियों के अस्तित्व पर ही संकट मंडरा रहा था. सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव के कारण बेटियां हाशिए पर थीं. लेकिन आज परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की सराहना करते हुए कहा,

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश अब केवल बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तक सीमित नहीं है, बल्कि हम बेटी बढ़ाओ के एक नए और स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुके हैं. सम्मेलन के मुख्य वक्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार, शिक्षा, विज्ञान, खेल, सामाजिक कार्य और अलग-अलग क्षेत्रों की जानी मानी हस्तियों की उपस्थिति में अपनी बात कही.

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की हर नीति और योजना के केंद्र में महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और स्वावलंबन को सर्वोपरि रखा गया है. उन्होंने कहा स्वच्छ भारत अभियान इसके तहत निर्मित करोड़ों शौचालयों ने महिलाओं को खुले में शौच की मजबूरी से मुक्ति दिलाकर उनकी गरिमा की रक्षा की है. उज्ज्वला योजना ने धुएं से भरी रसोई से मुक्ति दिलाकर करोड़ों महिलाओं के स्वास्थ्य को सुधारा है. जनधन खातों के माध्यम से महिलाओं को सीधे बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर उन्हें वास्तविक आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की गई है. रेखा गुप्ता ने इन सभी कदमों को महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर करार दिया. नारी शक्ति की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश की बेटियां केवल शिक्षा और पोषण के पैमानों पर ही आगे नहीं हैं, बल्कि वे देश की रक्षा में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं. उन्होंने कहा, यह गर्व का विषय है कि हमारी बेटियां आज फाइटर जेट उड़ा रही हैं और सीमाओं पर तैनात होकर देश की रक्षा कर रही हैं. उनके लिए अब कोई भी आकाश छूना असंभव नहीं रहा. भाषण के अंत में मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को ऐतिहासिक बताते हुए इसे वूमेन-लेड डेवलपमेंट का आधार बताया. उन्होंने विश्वास जताया कि यह अधिनियम देश की लगभग 70 करोड़ महिलाओं के लिए राजनीति और सार्वजनिक जीवन में सशक्त नेतृत्व का मार्ग प्रशस्त करेगा. उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें, क्योंकि नारी शक्ति के बिना विकास की कल्पना अधूरी है. नारी शक्ति वंदन अधिनियम जिसे औपचारिक रूप से 128वां संविधान संशोधन विधेयक (और अब 106वां संविधान संशोधन अधिनियम) कहा जाता है, भारत में महिलाओं के लिए राजनीति में भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है. यह कानून भारतीय संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33त्न सीटें आरक्षित करने का प्रावधान करता है.

क्राइम कॉर्नर

जीजा-साली ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रांची (एजेंसी)। बुंडू के पगला बाबा के पास एक पेड़ में लड़का लड़की फांसी लगाकर पेड़ पर लटकते हुए नजर आई। लड़की बुंडू के निउरी गांव की युवती है युवती की शादी होने वाली थी कन्या देखा कार्यक्रम होने वाली थी। जैसे ही लोगों को पता चलता है कि बुंडू के पगला बाबा के पास एक पेड़ पर एक लड़का और लड़की फांसी की फंदे पर झूलते नजर आए देखने के लिए अगल-बगल गांव से भी पहुंच चुके हैं लोग क्या महिला क्या पुरुष एक झलक उसको देखने के लिए लगभग हजारों की संख्या पहुंचे इन दोनों की पहचान जीजा सालीका है इस जगह को कैसे जानता था कि यहीं पर वह दोनों ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दिया आखिर यह दोनों ने फांसी लगाकर आत्महत्या किया या किसी ने इसे मार कर टांग दिया है यह जांच का विषय है हालांकि बुंडू पुलिस को जैसे ही सूचना मिलते है वह घटनास्थल पर पहुंचकर हर बिंदुओं पर जांच कर रही है लोग भी पहुंचे हुए हैं यहां देखने के लिए ।

दंड यात्रा के दौरान करंट लगने से 3 युवकों की मौत, 2 की हालत गंभीर

ओडिशा (एजेंसी)। ओडिशा के ढेंकानाल जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। यहां रविवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। हिंदोल क्षेत्र के बालिमी थाना अंतर्गत पाताला गांव में पारंपरिक दंड यात्रा की तैयारियों के दौरान करंट लगने से तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

मृतकों की पहचान सुधाकर साहू, पिंटू साहू और मिलन महालिक के रूप में हुई है। ये सभी युवक गांव में आयोजित होने वाली पारंपरिक दंड यात्रा में हिस्सा ले रहे थे और कार्यक्रम के लिए टेंट लगाने का काम कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा उस समय हुआ जब युवक टेंट खड़ा कर रहे थे। टेंट लगाने के दौरान इस्तेमाल किया जा रहा लोहे का पाइप अचानक ऊपर से गुजर रही 11 केवी बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। जैसे ही लोहे का पाइप बिजली के तार से छुआ, तेज करंट दौड़ गया और तीनों युवक उसकी चपेट में आ गए। करंट इतना तेज था कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

मथुरा नाव हादसा: 2 और शव मिले

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में हुए नाव हादसे के बाद 2 और शवों को यमुना नदी से निकाला गया है। अभी एक शव लापता है। इसके साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। बताया जा रहा है कि जिन 2 शवों को बरामद किया गया है, उनकी पहचान महिला मोनिका और यश भल्ला के रूप में हुई है, जो लुधियाना के निवासी हैं। पुलिस अभी एक और शव की तलाश कर रही है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, पुलिस और गोताखोरों की टीम यमुना में तलाशी अभियान चला रही है। सेना को भी अभियान में शामिल गया था।

बेंगलुरु में कॉलेज के छात्रों ने नकली बंदूक दिखाकर सहपाठी का अपहरण किया, फिरौती मांगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक कॉलेज के कुछ छात्रों ने अपने एक सहपाठी का अपहरण कर लिया और उससे 50,000 रुपये की फिरौती मांगी। घटना शनिवार को घटी, जिसकी जानकारी पुलिस को होने के बाद उन्होंने अगवा छात्र को सकुशल बरामद कर लिया है और अपहरण को अंजाम देने वाले 4 छात्रों को गिरफ्तार किया है। छात्रों ने अपहरण करने के लिए पीड़ित छात्र को नकली बंदूक से डराया था।

जैन डीम्ड विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट स्टडीज के प्रथम वर्ष के छात्र ऋषभ मोहंती का शनिवार शाम को उसी संस्थान के चार छात्रों आदित्य बोंस्ले उर्फ आदित्य रॉक्सी, शौर्य अग्रवाल, सैयद बिलाल और निकुंज ने अपहरण कर लिया। मोहंती ओडिशा के निवासी हैं और बीटीएम लेआउट प्रथम चरण के छात्रावास में रहते हैं। आरोप है कि छात्रावास के सामने गिरोह ने मोहंती को जबरन टाटा टियागो कार में बैठाया और अपने साथ ले गए। उन्होंने उससे 50,000 रुपये की फिरौती मांगी।

इसके बाद मोहंती अपने जिन साथी छात्रों के साथ छात्रावास में मौजूद थे, उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एक टीम गठित की और मोहंती के दोनों दोस्तों को अपहरणकर्ताओं के संपर्क में रहने को कहा। पुलिस ने बताया कि वे अपहरणकर्ताओं के फोन को ट्रैक कर रहे थे। उन्होंने मोहंती को जयनगर स्थित एक घर में बंधक बनाया था। पुलिस ने 4 घंटे में वहां पहुंच गई। उन्होंने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और मोहंती को सकुशल छुड़ाया।

आरोपियों ने मोहंती के दोस्तों को फोन करके 50,000 रुपये मांगे थे। ऐसे में पुलिस ने अपहरणकर्ताओं का विश्वास जीतने के लिए उसके दोस्तों से कुछ रुपये अपहरणकर्ताओं को भिजवाया था।

चालान से बचने के लिए बटन दबाकर बदल देता था नंबर प्लेट, बीएमडब्ल्यू कार जब्त ...ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज

हैदराबाद (एजेंसी)।

तेलंगाना में हैदराबाद के जुबली हिल्स में ट्रैफिक पुलिस की नियमित ड्रंक एंड ड्राइव चेकिंग के दौरान एक चौंकाने वाली घटना सामने आई. जुबली हिल्स पुलिस ने एक बीएमडब्ल्यू कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया. उस पर आरोप है कि, वह कथित रूप से ट्रैफिक फाइन से बचने के लिए रिमोट कंट्रोल से संचालित फ्लिप नंबर प्लेट सिस्टम का इस्तेमाल कर रहा था.

जब्त की गई कार में एक ऐसा सिस्टम था, जिसके तहत बटन दबाते ही कार की नंबर प्लेट बदल जाती है. इस घटना से सनसनी फैल गई. जब ट्रैफिक पुलिस जुबली हिल्स में चिरंजीवी ब्लड बैंक के पास शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जांच कर रही थी, तो एक बीएमडब्ल्यू कार संदिग्ध लगी. इसलिए, गाड़ी को रोका गया, और ड्राइवर का ब्रेथलाइजर टेस्ट किया गया. उसका ब्लड अल्कोहल कंटेंट (बीएसी) 137 रिकॉर्ड किया गया.

पुलिस जांच में गाड़ी के ड्राइवर ने अपना नाम गौतम बताया. उसने उसके बाद पुलिस को कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया. पुलिस का शक तब और बढ़ गया जब उन्होंने देखा कि गाड़ी के आगे एक नंबर प्लेट लगी थी और पीछे एक बिल्कुल अलग. जब ड्राइवर गाड़ी के रजिस्ट्रेशन के कागजात नहीं दिखा पाया, तो पुलिस ने कार की अच्छी तरह से जांच की. बाद में उन्हें पता चला कि, कार में एक ऐसा सिस्टम लगाया गया था, जिसे स्टीयरिंग व्हील के पास लगे एक बटन से कंट्रोल किया जाता था जिससे नंबर प्लेट अपने आप बदल जाती थी.

कार की आगे और पीछे की नंबर प्लेट पर रजिस्ट्रेशन नंबर अलग-अलग था. बटन दबाने पर, पीछे की नंबर प्लेट तुरंत बदल जाती थी. पुलिस ने बताया कि आरोपी ट्रैफिक फाइन से बचने के लिए इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा था.उन्होंने गाड़ी ज़ब्त कर ली है, ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है. कार की पहचान दिल्ली की हुई है. उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद और जानकारी दी जाएगी. यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है.

दूरदर्शन के एंकर की राहुल गांधी पर आपत्तिजनक टिप्पणी, भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी समाचार चैनल दूरदर्शन के एंकर अशोक श्रीवास्तव ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर एक शो के दौरान आपत्तिजनक टिप्पणी की है, जिसका विरोध शुरू हो गया है। उन्होंने एक डिबेट कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी दामोदर विनायक सावरकर के जूते की नोंक के बराबर नहीं है। उन्होंने राहुल के खिलाफ भी बयान दिया। इस वीडियो के वायरल होने के बाद कांग्रेस श्रीवास्तव के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही है।

वीडियो में एंकर श्रीवास्तव टो टूक में भाजपा प्रवक्ता तुहिन सिन्हा, राजनीतिक विश्लेषक सैय्यद जव्वाद, युवा चेतना के रोहित सिंह और समाजवादी पार्टी के अशोक यादव के साथ स्क्रीन साझा कर हैं। तभी श्रीवास्तव कहते हैं, आप सावरकर की जूते की नोंक के बराबर नहीं है। आप उनकी चप्पल में लगी मिट्टी के कण के एक हजारवें हिस्से के बराबर नहीं हैं।

आईपीएल का स्क्वाड बदला, इशान किशन की टीम में प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन का साथ देगा एमआई का पूर्व गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2026 के बीच सनराइजर्स हैदराबाद के स्क्वाड में बड़ा बदलाव हुआ है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं, उसके बाद इशान किशन की कप्तानी वाली इस टीम ने श्रीलंका के घातक गेंदबाज दिलशान मधुशंका को टीम में एंट्री दी है। मंगलवार (14 अप्रैल 2026) को फ्रेंचाइजी ने रिप्लेसमेंट का ऐलान किया है। यानी आने वाले मुकाबले में अब प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन के साथ दिलशान भी पेस बैट्री संभाल सकते हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम की सबसे बड़ी कमजोरी के रूप में उसकी गेंदबाजी सामने आ रही थी। अब इस ऐलान के बाद और जिस तरह प्रफुल-साकिब की जोड़ी ने राजस्थान रॉयल्स के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त किया, उसके बाद इस टीम की गेंदबाजी मजबूत नजर आने लगी है। हालांकि, श्रीलंकाई गेंदबाज ईशान मलिंगा भी इस टीम के पास हैं। पैट कमिंस इंजरी के कारण अभी बाहर हैं और उनकी वापसी पर भी कोई अपडेट नहीं मिला है। ऐसे में दिलशान मधुशंका के आने से निश्चित ही इस टीम की गेंदबाजी मजबूत नजर आ रही है।

आईपीएल द्वारा प्रेस रिलीज जारी कर इस रिप्लेसमेंट की जानकारी दी गई है। श्रीलंकाई गेंदबाज मधुशंका को हैदराबाद की फ्रेंचाइजी ने 75 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा है। वह इससे पहले मुंबई इंडियंस का भी हिस्सा रहे चुके हैं। मधुशंका के पास श्रीलंका के लिए 1 टेस्ट, 28 वनडे और 19 टी20 इंटरनेशनल खेलने का अनुभव है। उनके नाम कुल 70 इंटरनेशनल विकेट दर्ज हैं। वहीं फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी20 मिलाकर वह कुल 200 विकेट ले चुके हैं।

'ऐसा नहीं वैभव खराब फील्डर हैं'

कप्तान रियान पराग के फैसले से नाखुश वैभव सूर्यवंशी, राजस्थान के कोच का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के पहले चार मैचों में वैभव सूर्यवंशी ने कमाल का खेल दिखाया था। सोमवार (14 अप्रैल 2026) को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 15 वर्षीय बल्लेबाज का पहला फ्लॉप शो भी देखना को मिला। वैभव इस मैच में खाता भी नहीं खोल पाए। इस दौरान एक बड़ी बात भी निकलकर आई कि वैभव टीम के कप्तान और टीम मैनेजमेंट के एक फैसले से नाखुश भी हैं। यह फैसला है वैभव को बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खिलाने का।

आपको बता दें कि आरसीबी के खिलाफ और फिर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, दोनों मैचों में वैभव सूर्यवंशी को फील्डिंग के लिए मैदान पर नहीं उतारा गया। इस पर अब राजस्थान रॉयल्स के फील्डिंग कोच ट्रेवर पेने ने खुलासा किया है। उनके अनुसार वैभव सूर्यवंशी इस फैसले से नाखुश हैं। क्योंकि कोच के अनुसार वैभव को फील्डिंग करना पसंद है। अंडर 19 वर्ल्ड कप और आईपीएल में भी देखा गया है कि 15 वर्षीय इस धाकड़ ओपनर ने कई शानदार कैच पकड़े हैं। वहीं यूथ क्रिकेट में उन्हें गेंदबाजी करते हुए और विकेट लेते हुए भी देखा गया है। वैभव के नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 2 विकेट भी दर्ज हैं। जबकि वह फर्स्ट क्लास में 2 कैच, लिस्ट ए में 3 कैच और टी20 में दो कैच ले चुके हैं।

वैभव सूर्यवंशी के नाखुश होने का खुलासा करते हुए ट्रेवर पेने ने सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के मैच के दौरान बताया, 'पिछले मैच में जब उन्हें (वैभव को) बाहर रखा गया तो वह खुश नहीं थे क्योंकि उन्हें फील्डिंग करना पसंद है। ऐसा नहीं है वह खराब फील्डर हैं। डोनोवन (फरेरा) ने फिटनेस टेस्ट पास किया है। एसए20 में उनकी कॉलरबोन टूट गई थी। वह एक शानदार फील्डर हैं। उनका फील्ड पर लौटना खुशी की बात है। दुर्भाग्यवश वैभव को फील्ड से बाहर रहना पड़ा। 'वैभव सूर्यवंशी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए। डेब्यूटेंट गेंदबाज प्रफुल हिंगे ने उन्हें पहली गेंद पर ही पवेलियन भेज दिया था। पिछले चार मैचों में 200 रन बनाकर उनके पास ऑरेंज कैप भी थी।

टी20 विश्व कप 2026 के हीरो संजू सैमसन बने ICC प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के चलते भारत के संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। संजू सैमसन को इस प्रतियोगिता के शुरुआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। बाद में संजू सैमसन को जब टीम में शामिल किया गया तो उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया।

संजू सैमसन ने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 46 गेंद में 89 रन बनाकर भारत को इस साल की शुरुआत में लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जिताने में मदद की थी। संजू सैमसन को यह सम्मान मिलने का मतलब है कि पिछले पांच महीनों में यह अवॉर्ड अलग-अलग देशों के खिलाड़ियों के नाम रहा है। इस सूची में पिछले चार खिलाड़ी साइमन हार्मर (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया), डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड) और साहिबजादा फरहान (पाकिस्तान) हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 के शुरुआती दौर में प्लेइंग इलेवन का नियमित हिस्सा नहीं होने के बावजूद संजू सैमसन को आखिरकार भारत के लिए 'करो या मरो' वाले सुपर 8 मैचों के लिए बुलाया गया। 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ 24 रन बनाकर शुरुआत करने के बाद संजू सैमसन ने अपनी लय पकड़ ली और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। एक मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ वह सिर्फ तीन रन से शतक बनाने से चूक गए, लेकिन पारी ने भारत के लिए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर दी।

संजू सैमसन ने इस प्रदर्शन को अपने करियर का महत्वपूर्ण दौर करार दिया। संजू सैमसन ने कहा, ''आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करना अविश्वसनीय अहसास है, विशेषकर इसलिए क्योंकि यह मेरे क्रिकेट करियर के सबसे अविस्मरणीय दौर में मिला है। पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की जीत में योगदान देना एक सपने के साकार होने जैसा था और उस पल के महत्व को पूरी तरह समझने में मुझे कुछ समय लगा।'' संजू सैमसन ने कहा, ''भारतीय क्रिकेट के लिए यह एक रोमांचक दौर है, जिसमें हर क्षेत्र में अपार प्रतिभा मौजूद है। मुझे जो अवसर मिले उनके लिए मैं आभारी हूं। मैं टीम के साथियों और कोचिंग स्टाफ का मुझ पर भरोसा दिखाने के लिए आभारी हूं जिसके कारण मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाया।''

संजू सैमसन ने टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 89 रन बनाने से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 और इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन बनाए थे। संजू सैमसन ने टी20 विश्व कप के तीन मुकाबलों में 137.50 के औसत और 199.27 के स्ट्राइक रेट से 275 रन बनाए थे।

जीरो टॉलरेंस या खोखला वादा? ISL में कथित नस्लभेदी घटना ने खोली भारतीय फुटबॉल सिस्टम की पोल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग में फिर नस्लभेद का जिन्न सामने आया है, जिसने खेल प्रशासन की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बेंगलुरु स्थित श्री कांतीरावा स्टेडियम में 11 अप्रैल को बेंगलुरु एफसी और केरल ब्लास्टर्स के बीच खेले गए ISL मैच में सेनेगल के डिफेंडर फालू नडियाये को स्थानीय दर्शकों की भद्दी नस्लभेदी टिप्पणियों का शिकार होना पड़ा। केरल ब्लास्टर्स ने वह मैच 2-1 से जीता था।

केरल ब्लास्टर्स की कड़ी आपत्ति और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने मामले को अपनी अनुशासनात्मक समिति को सौंप दिया। हालांकि, AIFF और बेंगलुरु एफसी दोनों ने नस्लभेद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है, लेकिन प्रशंसक अब ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में खेल के मैदान नफरत का अखाड़ा न बने। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की ओर से मंगलवार 14 अप्रैल को जारी बयान में कहा गया, ''AIFF को इंडियन सुपर लीग 2025-26 के दौरान खिलाड़ियों के खिलाफ कथित नस्लीय व्यवहार के संबंध में कुछ शिकायतें मिली हैं। हम खिलाड़ियों और हर उस व्यक्ति के साथ मजबूती से खड़े हैं, जिसे बिना किसी भी तरह के भेदभाव के इस खूबसूरत खेल में हिस्सा लेने और इसका आनंद लेने का अधिकार है।''

बयान में कहा गया, ''AIFF नस्लवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की नीति अपनाता है। शिकायतों को एआईएफएफ की अनुशासन संहिता के अनुसार जांच के लिए अनुशासन समिति को भेज दिया गया है। अनुशासन समिति एक स्वतंत्र न्यायिक संस्था है। जब तक यह कार्यवाही चल रही है, तब तक एआईएफएफ इस मामले पर कोई और टिप्पणी नहीं करेगा।'' बयान के अनुसार, ''भारतीय फुटबॉल परिवार नस्लवाद के खिलाफ पूरी दृढ़ता से खड़ा है। जो लोग हमारे स्टेडियमों में नफरत फैलाते हैं, उनके लिए हमारे खेल में कोई जगह नहीं है।'' इससे पहले केरल ब्लास्टर्स ने कथित नस्लवादी दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की थी। क्लब ने कहा, ''क्लब ने एक बेहद शर्मनाक घटना का संज्ञान लिया है, जो हमारे पिछले मैच के दौरान हुई थी। इस घटना में हमारे एक खिलाड़ी को खुलेआम नस्लभेदी नारों का सामना करना पड़ा।''बयान में कहा गया, ''क्लब इस हरकत की कड़ी निंदा करता है और उसने इस मामले को ISL और AIFF के संबंधित पदाधिकारियों के सामने औपचारिक रूप से उठाया है। हम अपने खिलाड़ी की गरिमा की रक्षा के लिए उचित कार्रवाई भी करेंगे। हमारे खेल में नस्लवाद के लिए कोई जगह नहीं है।'' बेंगलुरु FC ने भी घरेलू दर्शकों के नस्लभेदी बर्ताव की आलोचना की और कहा कि वे इस घटना में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी की टीम इंडिया में एंट्री से 3 खिलाड़ियों पर खतरा? अभिषेक शर्मा पर भी लटक रही तलवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में पहले चार मैचों में ही एक से बढ़कर एक धाकड़ इंटरनेशनल गेंदबाजों की पिटाई करने के बाद अब खबरें हैं कि वैभव सूर्यवंशी का जल्द ही टीम इंडिया में डेब्यू हो सकता है।

एक्सक्लूसिव जानकारी के अनुसार आयरलैंड दौरे पर वैभव का चयन होने की संभावना है। अब सवाल यह है कि टीम इंडिया के पास पहले से ही ओपनर्स की भरमार है। अगर वैभव टीम में आते हैं तो किसकी जगह जाएगी?

किन 3 खिलाड़ियों पर खतरा : टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के पास तीन ओपनर्स मौजूद थे। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा पारी की शुरुआत कर रहे थे, तो इशान किशन नंबर 3 पर खेलते थे। जब आउट ऑफ फॉर्म संजू टीम से बाहर थे तो इशान और अभिषेक को भी ओपनिंग करते देखा गया। यानी अब वैभव आएंगे तो कम से कम किसी एक की तो जगह जा ही सकती है। इसका खतरा तो तीनों पर मंडरा रहा है, लेकिन सबसे ज्यादा खतरे की तलवार लटक रही है अभिषेक शर्मा के ऊपर।

अभिषेक शर्मा : अभिषेक शर्मा आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज जरूर हैं, लेकिन उनका हालिया प्रदर्शन उनके परफॉर्मेंस पर सवाल खड़े कर रहा है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी पहले तीन मैच में डक पर आउट होने वाले अभिषेक पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ 141 रन ही बना पाए थे। वहीं आईपीएल में भी पहले पांच मैचों में से दो बार वह डक पर आउट हो चुके हैं। साल 2026 में कुल 7 बार अभिषेक टी20 क्रिकेट में खाता ही नहीं खोल पाए। जबकि वैभव के परफॉर्मेंस का ग्राफ पिछले साल से इस साल तक लगातार बढ़ा ही है। ऐसे में अभिषेक को लेकर अब क्रिकेट पंडित और फैंस भी विचलित हैं। कई लोग तो अभिषेक की जगह सूर्यवंशी को मौका देने की मांग भी कर चुके हैं।

संजू सैमसन : संजू सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में जो प्रदर्शन किया वो निश्चित ही काबिल-ए-तारीफ था। उन्होंने आईपीएल 2026 में भी पहले तीन मैचों में फ्लाप होने के बाद शतक जड़ा। वह आईसीसी द्वारा मार्च के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ भी चुने गए। ऐसे में संजू की जगह पर खतरा तो नहीं है, लेकिन अगर संजू के परफॉर्मेंस में स्थिरता नहीं रहती है और वह आईपीएल 2026 में आने वाले मैचों में फ्लाप होते हैं, तो उनकी जगह भी जा सकती है। संजू सैमसन के करियर ग्राफ की बात करें तो उनकी स्थिरता सबसे बड़ी समस्या रही है। अब वह अपने गोल्डन फेज को जारी रखते हैं कब तब, यह बड़ा सवाल होगा? अगर संजू का ग्राफ गिरा और आयरलैंड दौरे के लिए युवा टीम (बी टीम) चुनी गई तो सूर्यवंशी और अभिषेक की जोड़ी भी ओपनिंग करते हुए दिख सकती है।

इशान किशन : आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान बनाए गए इशान किशन का बल्ला तो आग उगल रहा है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी उन्होंने जलवा बिखेरा था। लेकिन अगर बात एक युवा ओपनर को टीम में लाने की हो रही है, तो खतरा सबसे पहले टॉप ऑर्डर के खिलाड़ियों पर ही मंडराता है। इसलिए अभिषेक और संजू के साथ अब इशान किशन के ऊपर भी लगातार अच्छा परफॉर्मेंस करने का दबाव है। क्योंकि अगर अभिषेक और संजू का फॉर्म शानदार रहता है तो दोनों को बाहर करना आसान नहीं होगा। ऐसे में इशान को भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। क्योंकि अगर यह तीनों खिलाड़ी शानदार परफॉर्मेंस देते हैं तो यह देखने वाली बात होगी कि वैभव को टीम में सेट कहां किया जाएगा। इशान किशन मौजूदा आईपीएल 2026 में भी पांच मैचों में 213 रन बना चुके हैं। टी20 वर्ल्ड कप में भी वह संजू के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय थे।

टीम मैनेजमेंट बना रहा भविष्य की रणनीति

अगर पीटीआई की रिपोर्ट की मानें तो टीम मैनेजमेंट अब सूर्यकुमार यादव के भी लगातार खराब फॉर्म को लेकर चिंता में है। ऐसे में रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सामने आई कि इंग्लैंड दौरे तक उनको देखा जा रहा है। अगर सूर्या का प्रदर्शन नहीं सुधरा तो नया कप्तान भी टीम को मिल सकता है। ऐसे में एशियन गेम्स और जिम्बाब्वे सीरीज में संजू, अभिषेक, इशान के साथ वैभव भी टीम का हिस्सा हो सकते हैं। इस स्थिति में वैभव को ओपनिंग में सेट करने के लिए अभिषेक को नंबर 3 पर भी आजमाया जा सकता है। अभिषेक करियर की शुरुआत में नंबर 3 पर टी20 में टीम इंडिया के लिए खेले हैं। अगर अभिषेक नहीं तो संजू सैमसन भी नंबर 3 पर जा सकते हैं। क्योंकि अभिषेक-वैभव की जोड़ी भी टी20 क्रिकेट में विध्वंसक साबित हो सकती है। फिलहाल यह भविष्य की बातें हैं, अब देखना होगा कि वैभव कब टीम में आते हैं और आगे क्या बदलाव होते हैं। आईपीएल 2026 की पहली चार पारियों से ही वैभव सूर्यवंशी ने धूम मचा दी थी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जब वह खाता नहीं खोल पाए तो एक खास बात भी सामने आई है। कोच के मुताबिक 15 वर्षीय खिलाड़ी कप्तान और टीम मैनेजमेंट के एक फैसले से नाखुश हैं।

टीम इंडिया में बदलते समीकरण

फॉर्म से जूझ रहे सूर्यकुमार यादव पर बढ़ा दबाव, इंग्लैंड दौरा होगा 'करो या मरो'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के सामने अब असली चुनौती शुरू होती दिख रही है। हालिया समय में उनकी बल्लेबाजी में आई गिरावट ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट दोनों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। टीम इंडिया ने भले ही बड़े टूर्नामेंट में सफलता हासिल की हो, लेकिन व्यक्तिगत प्रदर्शन में निरंतरता की कमी अब सूर्यकुमार यादव के भविष्य पर सवाल खड़े कर रही है। सूर्यकुमार यादव के लिए जून-जुलाई में इंग्लैंड और आयरैंड दौरा सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि करियर का अहम मोड़ साबित हो सकता है। इस दौरे में उनकी कप्तानी से ज्यादा बल्लेबाजी पर नजर रहेगी, क्योंकि 2028 ओलंपिक और अगले टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए टीम इंडिया में जगह अब पूरी तरह प्रदर्शन के आधार पर तय होगी।

सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी फॉर्म को देखते हुए सवाल उठने लगे हैं कि क्या उन्हें 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए टीम में शामिल किया जाएगा या नहीं। इंग्लैंड दौरे से यह तय हो सकता है कि क्या उन्हें 2028 में होने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं तक टीम में बनाए रखा जाएगा या नहीं। वर्ष 2028 में अमेरिका में ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी20 विश्व कप शामिल हैं। सूर्यकुमार यादव अब भी मुख्य कोच गौतम गंभीर की पहली पसंद बने हुए हैं, जिनका कार्यकाल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 2028 टी20 विश्व कप तक बढ़ाए जाने की संभावना है। हालांकि, यह देखना दिलचस्प होगा कि अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति गौतम गंभीर से सहमत होती है या नहीं, क्योंकि ओलंपिक के समय सूर्यकुमार की उम्र लगभग 38 साल हो जाएगी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने लिखा, ''सूर्या अभी टीम की कप्तानी कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एक बल्लेबाज के रूप में वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखें। ब्रिटेन दौरे में वह कप्तानी करेंगे, लेकिन उसके बाद 2028 तक की चर्चा पूरी तरह से प्रदर्शन पर आधारित हो सकती है।''

सूर्यकुमार के लिए 2025 का साल बेहद खराब रहा, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120 से भी कम हो गया और वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए थे। उन्होंने 2026 में हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और 160 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए जिसमें चार अर्धशतक भी शामिल है। टी20 विश्व कप में हालांकि अमेरिका के खिलाफ पहले मैच को छोड़कर सूर्यकुमार का प्रदर्शन उल्लेखनीय नहीं रहा। उन्हें टीम में अपना स्थान बरकरार रखने के लिए अपने प्रदर्शन में हर हाल में निरंतरता लानी होगी। इस बीच, वैभव सूर्यवंशी का नाम टी20 टीम के लिए उन विशेषज्ञ खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया, जिन्हें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने जून-जुलाई में आयरलैंड दौरे के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए संभावित खिलाड़ियों के रूप में चुना है।

सूत्र ने लिखा, ''चयन समिति को पूरा विश्वास है कि वैभव तैयार है, लेकिन फिर आप संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और इशान किशन की बात कर रहे हैं। ये तीनों ही टी20 विश्व कप में अर्धशतक लगा चुके हैं। अगर आप चौथा ओपनर रखते हैं, तो यशस्वी जायसवाल भी मौजूद हैं।'' वैभव सूर्यवंशी सीनियर राष्ट्रीय टीम की तरफ से कब पदार्पण कर सकते हैं, इस बारे में सूत्र ने कहा, 'यह ब्रिटेन का दौरा हो सकता है या जिम्बाब्वे का, लेकिन सबसे अच्छा मंच एशियाई खेल या वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू शृंखला हो सकती है, क्योंकि ये दोनों प्रतियोगिताएं एक ही समय पर होंगी, इसलिए दो टी20 टीम का चयन करना होगा। वैभव इन दोनों में से एक भूमिका निभाएंगे, हो सकता है कि उन्हें इससे पहले ही चुन लिया जाए।'

संपादकीय

तजुर्बे को झेलना आसान नहीं

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। ईरान का यह एलान चौंकाने वाला है कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में आखिर कैसे पहुंचा?

कोई देश अमेरिकी फॉर्मूले को ठुकरा कर युद्ध खत्म करने के लिए अपनी शर्तें पेश करे, दुनिया के लिए यह नया तजुर्बा है। खासकर शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। इसीलिए ईरान का यह एलान चौंकाने वाला साबित हुआ कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में पहुंचा, तो उसकी संभवत: तीन वजहें हैं। एक तो वहां का नेतृत्व मरने-मारने की मनोदशा में है, दूसरे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जारी वार्ता के बीच दो बार हमले कर अपनी साख गंवा दी है, और तीसरे लगभग चार हफ्तों में ईरान ने युद्ध की कथा बदल डाली है।

ईरान की जबरदस्त बर्बादी एक तथ्य है। अमेरिका के मुताबिक उसने लगभग दस हजार ईरानी ठिकानों पर बमबारी की है। मगर लड़ाई का एक दूसरा पक्ष भी है। अमेरिका के एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका के 13 सैनिक अड्डों को इस तरह तबाह किया है कि वहां किसी का रहना संभव नहीं रह गया है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान लगभग 20 अमेरिकी लड़ाकू विमान या तो नष्ट कर दिए गए या वे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें अमेरिका का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35 भी है। इसी तरह अमेरिका के बहुचर्चित बेड़े अब्राहम लिंकन और जेराल्ड फोर्ड पर ईरान ने मिसाइलें दागीं, जिनसे उन्हें नुकसान होने की चर्चा रही है। इस बीच इजराइल के अंदर ईरानी मिसाइलों ने अंदर तक घुस कर मार की है। ऐसे में नए ईरानी नेतृत्व का आकलन संभवत: यह है कि जमीनी हमले की तैयारी के साथ-साथ अमेरिका युद्धविराम का फॉर्मूला भी भेज रहा है, तो उस पर यकीन नहीं किया जा सकता। फिर, जब युद्ध में ईरान को अपने सर्वोच्च नेतृत्व को गंवाने से लेकर जान-माल की व्यापक क्षति झेलनी पड़ी है, तो पुराने मुद्दों और उन्हीं अमेरिकी शर्तों पर फिर बात करने का कोई तुक नहीं रह जाता। तो ईरान ने अमेरिकी फॉर्मूला ठुकरा दिया है। अमेरिकी शासक वर्ग के लिए इस तजुर्बे को झेलना आसान नहीं होगा।

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है।

पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है।

भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

महिला आरक्षण-नया आयाम, क्यूँ ज़रूरी?

आज देश में सबसे चर्चित विषय महिला आरक्षण है और इसका महत्व देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के लेख से और अधिक हो गया है ।इसलिए यह ज़रूरी है कि इस आरक्षण के लिये हमारी तैयारी पर भी बात होना चाहिए । बात 1993-94 की है, जब मध्य प्रदेश में 73वें संविधान संशोधन के बाद पहली बार पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों की घोषणा हुई। चूँकि ये चुनाव किसी राजनीतिक दल के चुनाव चिन्ह पर नहीं होने थे, इसलिए सभी नेता अपने-अपने समर्थित उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की तैयारी में थे।

मैंने व भोपाल सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अनिरूध प्रसाद शास्त्री जी ने यह निर्णय लिया कि हम भोपाल जिले की सभी पंचायतों व अन्य स्थानों में अपने प्रत्याशी खड़े करेंगे। चुनाव की तैयारी के प्रथम चरण में जब महिला प्रत्याशियों की तलाश शुरू की तो हमें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा क्योंकि संशोधन के कारण 33 प्रतिशत पद महिलाओं के लिये आरक्षित तो थे ही मगर उसमें भी पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए भी आरक्षण निर्धारित था। इसके चलते योग्य और इच्छुक महिला उम्मीदवारों का मिलना कठिन था।

जनपद सदस्य के लिये एक वार्ड अनुसूचित जाति की महिला के लिए आरक्षित था। जब हमने उस वार्ड के लिए मतदाता सूची में महिला प्रत्याशी की तलाश शुरू की तो समझ आया कि चयन बहुत सीमित मतदाताओं में से ही करना पड़ेगा । तब हमें अपने एक समर्थक के खेत में काम करने वाली आठवीं पास युवा महिला—आशा मिली । जब हमने उस युवती के सामने चुनाव लड़ने का प्रस्ताव रखा उसने आश्चर्य के साथ बस इतना ही कहा जैसा भैय्या बोलें मगर उसका अगला सवाल था - रोज़ी रोटी का क्या होगा और करना क्या पड़ेगा ? हमने उसे बताया कि चुनाव में लोगों से वोट मांगना होगा और जीतने के बाद जनपद सदस्य के रूप में जनता के लिए काम करना होगा। वहीं मेरे समर्थक ने उसे नौकरी चलते रहे का आश्वासन दिया । अपने पति से बातचीत कर वह चुनाव के लिए तैयार हो गई । उसके नामांकन के बाद चुनाव प्रचार के दौरान मैंने उसे वोट माँगते समय उसमें आ रहे बदलाव को क़रीब से महसूस किया और इस बदलाव की छलक एक छोटी-सी आम सभा में देखी । हम सभी का मानना था कि वह भाषण नहीं देगी मगर उसने सबको ग़लत साबित करते हुऐ भाषण दिया और ऐसा बोला कि देर तक तालियाँ बजती रहीं । उसने बहुत ही सरल, लेकिन आत्मविश्वास से भरे शब्दों में कहा— मैं इसी गाँव की बेटी हूँ। जब मैं यहाँ से निकलती थी, तो मेरे पैर मिट्टी में सन जाते थे। अगर मैं चुनाव जीती तो मेरी कोशिश होगी कि अब गाँव में किसी भी बेटी के पैर मिट्टी में नहीं सने। उसके ये शब्द वहाँ उपस्थित हर व्यक्ति के मन में गहराई तक उतर गए थे । मैंने उस कम शिक्षित, मजदूर आशा को आशा देवी बनने की यात्रा को क़रीब से देखा । मैं एक साधारण महिला को राजनेता बनते देख रहा था और यह इसलिए हो रहा था क्योंकि मुक़ाबले में महिलायें ही थी। वह चुनाव तो हार गई मगर चुनाव लड़ने से उसमें जो आत्मविश्वास पैदा हुआ उसने एक महिला नेत्री को जन्म दिया ।वह इससे आगे के चुनाव लड़ने की ख्वाहिश होने के बावजूद भी पिछड़ गई, मैं आज जब पूरे हालात का विश्लेषण करता हूँ तो मुझे लगता है कि यदि उसे पुरुष नेताओं के साथ संघर्ष नहीं करना होता तो शायद वह आज कम से कम जिला स्तर पर तो काम कर रही होती। यह एक महिला के नेता बनने और फिर गुमनाम होने की कहानी नहीं है बल्कि प्रतिभा, संकल्प और उर्जा से भरीं लाखों महिलाओं की बात है । पिछले तीस-पैंतीस सालों में जब से महिला सशक्तिकरण के लिये लोकसभा-विधानसभा में महिला आरक्षण की माँग उठी है तब लेकर अब तक सार्वजनिक क्षेत्र की कई संस्थायें जैसे स्थानीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं, सहकारिता , कारपोरेट, कानूनी संस्थाएं और अन्य संगठनों में महिलाओं को जो आरक्षण मिला, उसने देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को एक नई दिशा दी है।

महिला आरक्षण के कारण लाखों महिलाओं ने विभिन्न पदों पर काम करके प्रशासनिक व चुनावी अनुभव प्राप्त कर लिया है ।आज देश का कोई ऐसा सार्वजनिक मंच नहीं है जहाँ महिलाएँ नेतृत्व नहीं कर रही हो । जिस चुनाव का मैंने ज़िक्र किया है उसे बीते लगभग पैंतीस वर्ष बीत चुके हैं मगर आज जब पीछे मुड़कर देखता हूँ विश्वास से भर जाता हूँ कि हमारी आबादी का पचास प्रतिशत अब क़ानून बनाने के लिये पूरी तौर से तैयार है, इसलिए इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिये अन्तिम कदम उठाने में देरी करना ठीक नहीं हैं क्योंकि आज देश की महिलाएँ न केवल जागरूक हैं, बल्कि राजनीतिक रूप से परिपक्व भी हो चुकी हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि उन्हें देश के सर्वोच्च नीति-निर्माण मंचों पर कानून बनाने का भी समान अवसर मिलना चाहिए। सालों की लंबी बहस के बाद आखिरकार वह ऐतिहासिक क्षण सितंबर 2023 में आया जब हमारी संसद ने लम्बी सार्थक बहस के बाद 106वें संविधान संशोधन को मंज़ूरी देते हुए महिला आरक्षण विधेयक पारित किया । इस कानून के तहत अब लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है।

हम सब जानते है कि आज तक देश में बने क़ानूनों मे पुरुषों की भागीदारी अधिक रही है फलस्वरूप क़ानूनों में पुरुष सोच का वर्चस्व रहा है जो कि स्वाभाविक है। यही कारण रहा कि महिलाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण कानून समय पर नहीं बन सके। इसके चलते हमारे लोकतंत्र में अनेक ऐसी योग्य महिलाओं अवसरों से वंचित रह गई , जो उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती थीं । अब यह कानून उस ऐतिहासिक कमी को दूर करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इसके माध्यम से महिलाओं को यह संवैधानिक अधिकार मिलेगा कि वे उन सीटों से चुनाव लड़ सकें, जो उनके लिए आरक्षित होंगी।

इससे न केवल महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि देश के लोकतंत्र में एक नई ऊर्जा और संतुलन स्थापित होगा । देश में एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लगातार इस बात पर बल देते रहे हैं कि महिलाओं को आरक्षण बहुत पहले मिल जाना चाहिए था मगर उनका स्पष्ट मानना है कि इसमें और देरी स्वीकार नहीं है । उन्होंने नारी शक्ति को लोकतंत्र में पूर्ण अवसर देने का संकल्प लेते हुए हर हाल में इस विधेयक को लागू करने की प्रतिबद्धता समय समय पर व्यक्त की है।

यही कारण है कि अब यह विश्वास मजबूत होता जा रहा है कि वर्ष 2029 के लोकसभा चुनावों में हम 33 प्रतिशत आरक्षण के कारण बड़ी संख्या में महिलाओं को संसद में देख सकेंगे। यह सत्य है कि यह संशोधन जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है, लेकिन जिस दृढ़ता और प्रतिबद्धता के साथ इस दिशा में प्रयास हो रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि अब वह दिन दूर नहीं जब भारत की महिलाएँ संसद में बैठकर देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाएँगी। यह केवल एक राजनीतिक परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र में समानता, प्रतिनिधित्व और सामाजिक न्याय के एक नए युग की शुरुआत होगी । इस में राजनीति देखने वाले लोगों को खुद से यह प्रश्न करना चाहिए कि ऐसा करके वह लोकतंत्र को मजबूत करने की ओर अग्रसर देश की गति को धीमा क्यूँ करना चाहते है ?

चेहरे पर सीरम लगाते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

सीरम एक ऐसा त्वचा की देखभाल वाला उत्पाद है, जो चेहरे को कई तरह के लाभ दे सकता है। हालांकि, लाभ पाने के लिए इसे सही तरीके से लगाना जरूरी है। दरअसल, सीरम को लगाने के दौरान कुछ छोटी-छोटी गलतियां अनजाने में हो जाती हैं, जो आपकी त्वचा को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचा सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो सीरम लगाते समय नहीं करनी चाहिए।

ज्यादा सीरम लगाना

सीरम की अपनी एक मात्रा होती है, जिसे इस्तेमाल करना जरूरी है। अगर आप ज्यादा सीरम का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी त्वचा अधिक चिकनी हो सकती है। इससे मुंहासे और अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए सीरम का इस्तेमाल हमेशा सीमित मात्रा में करना चाहिए। एक या दो बूंदें ही काफी होती हैं। इससे आपकी त्वचा को सही मात्रा में नमी और पोषण मिलेगा, बिना किसी अतिरिक्त चिपचिपाहट के।

गीली त्वचा पर लगाना

गीली त्वचा पर सीरम लगाना सही नहीं माना जाता क्योंकि इससे सीरम ठीक से असर नहीं कर पाता। सीरम को हमेशा साफ और सूखी त्वचा पर लगाना चाहिए ताकि यह अच्छे से असर दिखा सके। गीली त्वचा पर लगाने से सीरम का असर कम हो सकता है और आपकी त्वचा को उतना लाभ नहीं मिल पाता, जितना कि सूखी और साफ त्वचा पर लगाने से मिलता है।

सीधे धूप में रहना

अगर आप धूप में रहते हुए सीधे चेहरे पर सीरम लगाते हैं तो इससे आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। सूरज की किरणें सीरम के तत्वों को खराब कर सकती हैं और आपकी त्वचा को भी प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए हमेशा छाया या अंदरूनी जगह पर रहकर ही सीरम लगाना चाहिए ताकि आपकी त्वचा सुरक्षित रहे और आपको सीरम का पूरा फायदा मिल सके।

नोएडा में क्यों हिंसक हुआ कर्मचारियों का प्रोटेस्ट, आंदोलन या साज़िश?

पिछले तीन-चार दिन से हम देख रहे हैं कि श्रमिक हड़ताल कर रही हैं। प्रोटेस्ट कर रही हैं। उनकी मांग है कि उनका वेतन बढ़ाया जाए। उनकी मांग है कि ओवरटाइ का उनको पैसा दिया जाए। उनकी मांग है कि उनको वीकली ऑफ दिया जाए और सम्मानित तरीके से उनको काम करने दिया जाए। उनका शोषण ना हो। उनकी सुरक्षा का ध्यान रखा जाए। 13 अप्रैल को सुबह-सुबह यानी अगर आज सुबह का मैं जिक्र करूं तो देखते ही देखते नोएडा के अलग-अलग क्षेत्रों में ये जो साइलेंट प्रोटेस्ट चल रहा था, यह अचानक से उग्र हो गया। कितना उग्र हो गया? गाड़ियां जला दी गई। जो तस्वीरें सामने आई है उसको देखने के बाद अंदाजा लगाया जा सकता है। जोर-जोर से नारे लगाए जा रहे हैं। यह प्रदर्शन देखते ही देखते उग्र हो गया। जो लोग अपने ऑफिसों के लिए निकले थे वो अपने ऑफिस नहीं जा पाए। पुलिस बल वहां पर तैनात कर दिया गया और स्थिति को कुछ ऐसा दिखाने की कोशिश की गई कि सब कुछ आउट ऑफ कंट्रोल है।

प्रदर्शनकारी लंबे समय से वेतन वृद्धि और कामकाज की जो परिस्थितियां है उसमें सुधार करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि महंगाई के दौर में मौजूदा वेतन पर्याप्त नहीं है जिससे उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है। कर्मचारियों की जो प्रमुख मांगे हैं उसमें मिनिमम जो सैलरी है वह 13,000 से बढ़ाकर 20,000 करने को कहा गया है। साथ ही साथ ओवरटाइ का पेमेंट किया जाए और छुट्टियों के लिए अलग से प्रोविजन को शामिल किया जाए। यह उनकी प्रमुख मांगे हैं। व स्थिति बिगड़ने पर पुलिस और प्रशासन जो है वह हरकत में आया। मौके पर भारी पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है और प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की गई। हालांकि जब भीड़ काबू से बाहर होती नजर आई तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर किया। इस दौरान आंसू गैस के गोले का भी इस्तेमाल किया गया। कई स्थानों पर हालात धीरे-धीरे अब सामान्य होने लगे हैं। लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है।

एक दिन पहले जिला प्रशासन, पुलिस और प्राधिकरण के अधिकारियों ने कर्मचारियों के जो प्रतिनिधि हैं उनके साथ एक मीटिंग की थी। इस मीटिंग में उनकी मांगों पर विचार करने और समाधान निकालने का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद भी कर्मचारियों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। अधिकारी का कहना है कि किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी।

इससे पहले 12 अप्रैल को गौतम बुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम ने नोएडा प्राधिकरण में एक मीटिंग ली थी जिसमें प्रमुख सचिव श्रम और यूपी के जो लेबर कमिश्नर हैं वह भी इसमें वर्चुअली शामिल हुए थे। इस मीटिंग में जो कर्मचारी हैं उनके हितों की सुरक्षा, ओवरटाइ का दुगना भुगतान, बोनस, वीकली ऑफ और वर्क बेस, सेफ्टी और सिक्योरिटी को लेकर बातचीत की गई थी।

इसके बाद कर्मचारियों से अपील करते हुए डीएम मेधा रूपम ने एक वीडियो भी पोस्ट किया था। आपको सुनवाते हैं। सभी श्रमिक भाई बहनों से यह मेरी अपील है कि आप सब शांति पूर्वक अपने अपने कार्यस्थल पर जाएं और कार्य करें। साथ में आपसे यह भी अपील है कि जिले का सौहार्द बनाए रखें व कानून व्यवस्था भी बनाए रखें। इसके साथ-साथ आपसे यह भी अपील है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों से प्रभावित नहीं हो।

एकदम बिंदास और स्टाइलिश जीवन गुजारती हैं एक्ट्रेस कस्तूरी

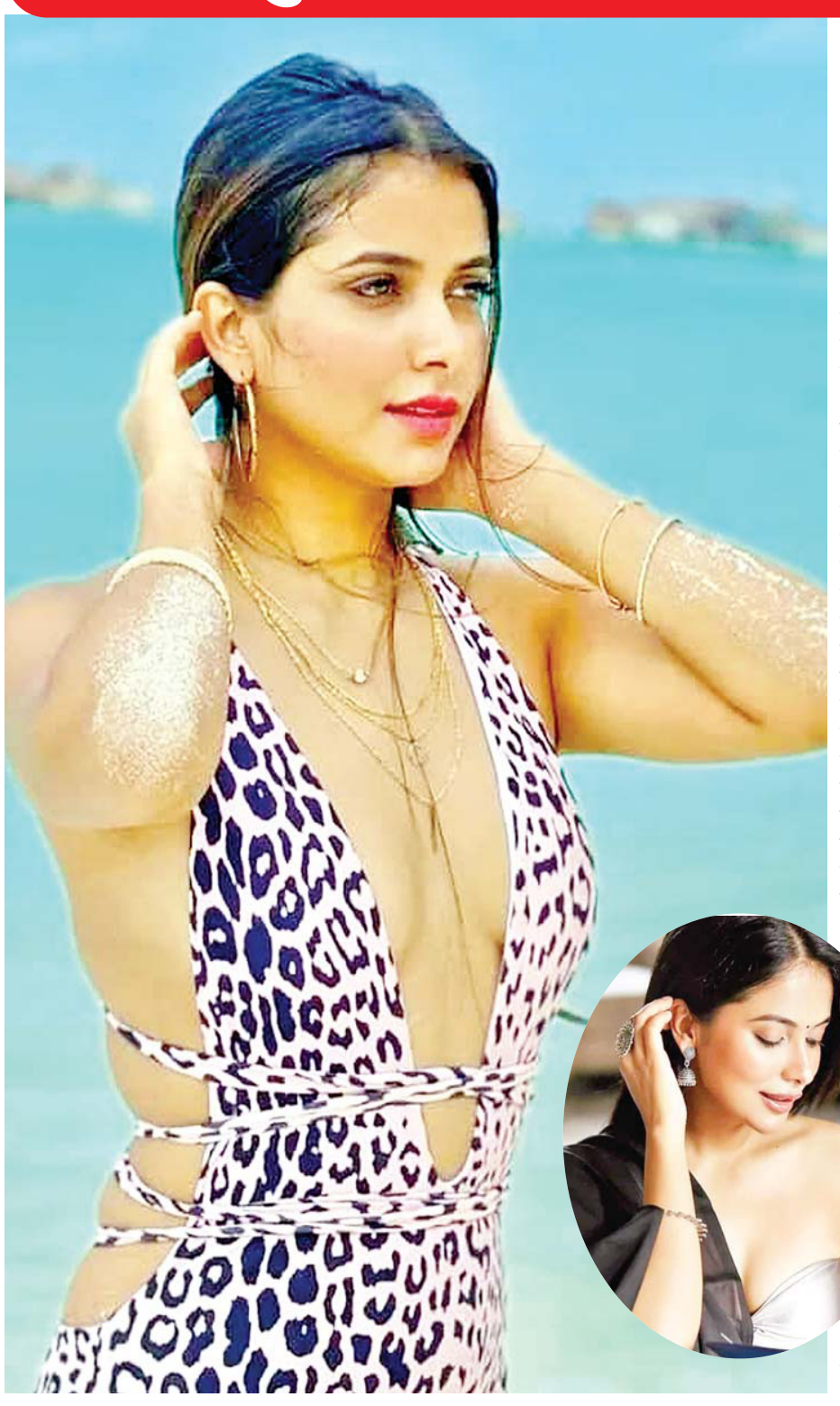

द्यद्यह्व-श्रश्च आज काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है. यहां कई रोमांटिक और एडल्ट वेब सीरीज मौजूद हैं. इसी प्लेटफार्म के एक वेब सीरीज 'चरमसुख- करना जरूरी है' में काम कर चुकी एक्ट्रेस कस्तूरी छेत्री काफी बोल्ड और ग्लैमरस हैं.

एडल्ट वेब सीरीज 'चरमसुख- करना जरूरी है' से सबके दिल में घर करने वाली एक्ट्रेस कस्तूरी रियल लाइफ में भी काफी बोल्ड और ग्लैमरस हैं. सोशल मीडिया पर इनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है. एक्ट्रेस की फोटोज अक्सर इंटरनेट पर वायरल होती रहती हैं. एक्ट्रेस कस्तूरी छेत्री एक जानी-मानी मॉडल भी हैं. एक्ट्रेस का लुक लोगों को कभी पसंद आता है, जिसे लेकर कस्तूरी अक्सर चर्चा में रहती हैं.कस्तूरी को आप सोशल मीडिया क्वीन भी कह सकते हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.इनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपको हर लुक्स में तस्वीरें मिल जाएंगी. बोल्ड फिगर के साथ ही कस्तूरी अपने बिकिनी लुक से इंटरनेट पर आग लगा देती हैं.कस्तूरी ह्वञ्ज की कई वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं. इंजीनियरिंग गर्ल्स, होम स्वीट ऑफिस, और आयुष मेहरा सीरीज में इनका बोल्ड लुक देखते ही बनता है.कस्तूरी अक्सर अपने सोशल मीडिया पर अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ के बारे में साझा करती हैं. एक्ट्रेस एकदम बिंदास और स्टाइलिश जीवन गुजारती हैं.इनकी बोल्डनेस भरी तस्वीरें देखकर हर कोई घायल हो जाता है. कस्तूरी अपने ग्लैमरस और सिजलिंग लुक से हर किसी को अपना दीवाना बना लेती हैं।

बैक टू बैक फिल्मों से मचेगा धमाल

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में रश्मिका मंदाना, साई पल्लवी इस वक्त काफी चर्चा में हैं, क्योंकि दोनों ही एक्ट्रेसेस के पास अल-अलग भाषाओं की कई फिल्में हैं. लेकिन, इसी बीच एक और नाम तेजी से उभरकर सामने आ रहा है, जो कि साउथ की नई एक्ट्रेस है. हम जिनकी बात कर रहे हैं, वो कयादु लोहार हैं. कयादु को इस समय साउथ सिनेमा की सबसे बिजी कलाकार कहा जा रहा है, क्योंकि उनके पास इन दिनों एक साथ कई बड़े प्रोजेक्ट्स लाइनअप बताए जा रहे हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कयादु लोहार अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में नजर आने वाली हैं, जिसमें तेलुगु, तमिल और मलयालम प्रोजेक्ट्स शामिल बताए जा रहे हैं. मेकर्स लगातार उन्हें साइन कर रहे हैं. अभी की बात करें, तो कयादु पल्लीचट्टंबी फिल्म में नजर आने वाली हैं, जो कि 15 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगा. ये मलयालम भाषा की पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें उनके साथ टोविनो थॉमस नजर आएंगे.

दूसरे फिल्म की बात करें, तो कयादु दुलकर सलमान के साथ फिल्म आई एम गेम में भी शामिल हैं. इस फिल्म को नहस हिधायत डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म का पोस्टर भी रिलीज किया जा चुका है. साउथ सुपरस्टार नानी की अपकमिंग फिल्म द पैराडाइज में भी कयादु शामिल हैं. फिल्म से कयादु का लुक भी वायरल हुआ है, जिसमें वो रेट्रो अंदाज में दिख रही हैं. बताया जा रहा है कि ये फिल्म अगस्त में रिलीज हो सकती है. इसके अलावा कयादु फहद फासिल के साथ अपकमिंग तमिल रोमांटिक ड्रामा इधायम मुरली में भी दिखेंगी. इस फिल्म को आकाश बस्करन डायरेक्ट कर रहे हैं. फिल्म में अथर्वा मुरली लीड रोल में हैं उनके साथ प्रीति मुखुंधन भी हैं. कयादु लोहार की अगली फिल्म की बात करें, तो उसमें इम्मॉर्टल का नाम शामिल है, इस फिल्म को मरियाप्पन चिन्ना डायरेक्ट कर रहे हैं।

रुबीना दिलैक ने शेयर किया क्रिप्टिक पोस्ट

रुबीना दिलैक टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं. छोटी बहू में राधिका की भूमिका निभाकर उन्होंने घर-घर में अपनी एक पहचान बनाई. उसके बाद उन्हें शक्ति सीरियल में सौम्या के कैरेक्टर में भी खूब पसंद किया गया. उसके बाद रुबीना जब बिग बॉस 14 की विनर बनीं तो उनके पॉपुलैरिटी में चार चांद लग गई.

इससे एक्ट्रेस ने साबित कर दिया कि वो सिर्फ स्क्रिप्टेड शोज तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि रिएलिटी शोज की भी क्विन बन सकती हैं.अब एक बार फिर से रुबीना ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस का ध्यान खींच लिया है.

एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर स्ट्राइकिंग वेलवेट स्वैम्प ग्रीन गाउन में कई तस्वीरें शेयर की हैं.इन तस्वीरों में एक्ट्रेस के ग्लैमर की खूब तारीफ हो रही है.वहीं,तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने जो कैप्शन लिखा है, उसने हर किसी का ध्यान खींच लिया है.

रुबीना का कैप्शन देख फैंस हुए हैरान एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा,आत्मा को तोड़ देने वाली हार के बाद फिर से खिलना कैसा दिखता है..यही तो जिंदगी है, है नारुबीना के इस पोस्ट पर फैंस ने जमकर कॉमेंट्स की बौछार की है.फैंस कमेंट के जरिए एक्ट्रेस से बार-बार पूछ रहे हैं क्या सबकुछ ठीक है. वहीं, कुछ ने पूछा कि इस पोस्ट का मतलब क्या है.वहीं, एक्ट्रेस के फैंस ने सोशल मीडिया पर उनके कमबैक का जश्न मनाया है और उनका हौसला बढ़ाया है.हालांकि, रुबीना दिलैक ने क्लियर किया है कि उनके कैप्शन के पीछे क्या वजह है, लेकिन ये ऐसे समय में सामने आया है जब वो अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ लाइफ में काफी बीजी हैं.

एक्ट्रेस के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो लगातार टीवी और ओटीटी दोनों पर काम कर रही हैं.साथ ही फैमिली टाइम स्पेंड करना भी नहीं भूलती हैं.रुबीना दिलैक ने टीवी एक्टर अभिनव शुक्ला के संग शादी की है और अब इस कपल की दो बेटियां हैं।

विला बना अखाड़ा! दीक्षा ने फेंके कपड़े तो आकांक्षा ने पकड़ा गला, सरेआम हुई मारपीट

कहते हैं कि इश्क और जंग में सब जायज है, लेकिन रियलिटी शो 'स्प्लिट्सविला ङ्ग6' में तो प्यार कम और जंग ज्यादा नजर आ रहा है. शो में जल्द ही आने वाले ट्विस्ट ने सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी है. जहां अब तक इस शो में कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर प्यार के वादे करते थे, वहीं अब वे एक-दूसरे के बाल नोचने और कपड़े फेंकने पर उतारू हो गए हैं. मामला इतना बढ़ गया कि बात सिर्फ जुबानी जंग तक नहीं रही, बल्कि सरेआम लात-घूंसे और हाथापाई तक पहुंच गई.

वैसे तो इस शो में अक्सर लड़कों के बीच की लड़ाई देखने को मिलती है, लेकिन इस बार लड़ाई दो लड़कियों में हुई है. ये पूरा ड्रामा तब शुरू हुआ जब दीक्षा पवार ने गुस्से में आकर आकांक्षा चौधरी के सारे कपड़े अलमारी से बाहर निकालकर फेंक दिए. बस फिर क्या था? आकांक्षा का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया. इस लड़ाई में आकांक्षा की दोस्त सुजैन की एंट्री ने आग में घी डालने का काम किया. सुजैन ने बदला लेने के लिए दीक्षा के कमरे में घुसकर उसके भी कपड़े तितर-बितर कर दिए.

स्प्लिट्सविला के लेटेस्ट प्रोमो में दिख रहा है कि दीक्षा और आकांक्षा के बीच की बहस देखते ही देखते फिजिकल हो गई. दोनों एक-दूसरे पर टूट पड़ीं. मंजर कुछ ऐसा था जिसे देख दर्शक भी दंग रह गए. बताया जा रहा है कि इस लड़ाई में सिर्फ धक्का-मुक्की नहीं हुई, बल्कि बात गला पकड़ने और नाखून मारने तक पहुंच गई. आकांक्षा ने दीक्षा का गला पकड़ा तो दीक्षा ने आकांक्षा पर हाथ उठा दिया, जिसके बाद सुज़ैन भी इस 'दंगल' में कूद पड़ीं. कभी जिगरी दोस्त रहीं ये लड़कियां अब एक-दूसरे की जानी दुश्मन बन बैठी हैं.

वीडियो वायरल होते ही फैंस दो गुटों में बंट गए हैं. ज्यादातर लोग आकांक्षा का साथ दे रहे हैं और दीक्षा को इस झगड़े की जड़ बता रहे हैं. कुछ यूजर्स तो दीक्षा को ट्रोल करते हुए लिख रहे हैं कि रियलिटी शो है, कोई कुश्ती का अखाड़ा नहीं. वहीं कुछ का कहना है कि सुज़ैन को बीच में टांग नहीं अड़ानी चाहिए थी.

'स्प्लिट्सविला X6' की शुरुआत बड़े ही दिलचस्प ट्विस्ट के साथ हुई थी. शो को दो हिस्सों में बांटा गया था, 'प्यार विला' और 'पैसा विला'. प्यार विला में आकांक्षा चौधरी, दीक्षा पवार, अंजलि शमक, और हिमांशु अरोड़ा जैसे कंटेस्टेंट्स शामिल थे, जो 'सच्चे प्यार' की तलाश में आए थे. तो पैसा विला में कियोना वाल्के, निहारिका तिवारी और कशिश जैसे लोग थे, जिनका फोकस 'स्प्लिट्स कॉइन्स' और गेम जीतने पर था.अब ये दोनों विला एक हो चुके हैं, और शायद यही वजह है कि कॉम्पिटिशन इतना बढ़ गया है कि कंटेस्टेंट्स अपनी गरिमा भूलकर मारपीट पर उतर आए हैं. अब देखना ये होगा कि शो के होस्ट सनी लियोनी और करण कुंद्रा इस फिजिकल फाइट पर क्या एक्शन लेते हैं. क्या दीक्षा को शो से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा या फिर ये 'ड्रामा' अभी और आगे चलेगा? ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

बक्सर में भव्य रूप से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती, प्रभात फेरी से प्रबोधन तक गूंजे समता और न्याय के स्वर

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर में अनुसूचित जाति-जनजाति कर्मचारी संघ की जिला इकाई द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही उत्साह, श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। पूरे शहर में इस अवसर पर विशेष उत्सव का माहौल देखने को मिला, जहां विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य आयोजन नगर भवन में किया गया, जिसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष महेंद्र राम ने की। कार्यक्रम का संचालन संघ के सचिव अमित कुमार एवं उपाध्यक्ष रमेश चंद्र राम ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन में जिले के कई अधिकारी, समाजसेवी, अधिवक्ता एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। दिन की शुरुआत सुबह 6:30 बजे प्रभात फेरी के साथ हुई। यह प्रभात फेरी किला मैदान से प्रारंभ होकर मुनीम चौक, जमुना चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहब की प्रतिमा स्थल तक पहुंची। प्रभात फेरी के दौरान 'जय भीम', 'समता, न्याय और बंधुत्व' जैसे नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में युवाओं ने भी इसमें भाग लिया।

इसके बाद पूर्वाह्न 9:00 बजे जिलाधिकारी साहिला द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर बाबा साहब को नमन किया। कार्यक्रम का अगला चरण 11:00 बजे नगर भवन में आयोजित प्रबोधन सभा के रूप में हुआ, जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखे। इस प्रबोधन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप

में अपर जिला समाहर्ता अरुण कुमार अजय शामिल हुए। उनके साथ शशिकांत पासवान (वरीय कोषागार पदाधिकारी), शुक्र पासवान (जिला सांख्यिकी पदाधिकारी), मोतीराम दिनकर, हीरालाल राम, राम बच्चन बौद्ध, जनार्दन राम (कोषाध्यक्ष), अनुग्रह कुमार (अधिवक्ता), जनार्दन सिंह (अधिवक्ता), सुरेंद्र सिंह, रामबचन राम, इंद्रा मुनि जी, बृज बिहारी राम, श्रीनिवास राम, जगदीश राम, आशीष राम, नरेश राम, राम जी केसरी, अजय कुमार, डेनियल कुमार, डॉ. एनीमानंद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। हरिहर प्रसाद की उपस्थिति भी कार्यक्रम में विशेष रही।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा समाज में समानता, शिक्षा, अधिकार और सामाजिक न्याय के लिए किए गए योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज भी समाज के हर वर्ग के लिए मार्गदर्शक हैं। वक्ताओं ने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहब के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं। उन्होंने सामाजिक एकता, भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर संघ की ओर से समाज के प्रतिभाशाली छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं बाबा साहब की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों का मनोबल बढ़ाना, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना तथा शिक्षा के महत्व को समाज में स्थापित करना था। सम्मानित छात्रों और उनके अभिभावकों में इस पहल को लेकर खासा उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के अंत में अजय कुमार द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही यह भव्य और प्रेरणादायक समारोह संपन्न हुआ। पूरे आयोजन ने न केवल बाबा साहब के विचारों को पुनर्जीवित किया, बल्कि समाज में समता, न्याय और बंधुत्व के संदेश को भी सशक्त रूप से प्रसारित किया।

पटना में 'सेवा और शिक्षा' का संगम– खान सर और पूर्व सैनिकों की बैठक से बिहार विकास की नई राह तय

बक्सर (संवाददाता)। पटना में शिक्षा जगत के चर्चित नाम खान सर और बिहार के पूर्व सैनिकों के बीच एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक महज औपचारिक मुलाकात न होकर, बिहार में जन-कल्याण, सामाजिक उत्थान और समग्र विकास की दिशा में एक ठोस पहल के रूप में सामने आई।

बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ के जिला अध्यक्ष सह प्रदेश उपाध्यक्ष रामनाथ सिंह के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने खान सर के साथ करीब डेढ़ घंटे तक गंभीर और व्यापक चर्चा की। इस दौरान रामनाथ सिंह के अनुशासित व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा के प्रति समर्पण ने खान सर को विशेष रूप से प्रभावित किया। बैठक में 'बी वॉरियर' संस्था के अध्यक्ष रंजन कुमार राय के कार्यों की भी सराहना की गई। जिले में 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं के लिए तत्पर रहकर नि:स्वार्थ भाव से समाज सेवा करने के लिए खान सर ने उन्हें 'सेवा का सच्चा योद्धा' बताया। इस पहल को

समाज में प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में बिहार के विकास के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष रूप से कार्य करने का निर्णय लिया गया।

पहला, शहीद परिवारों के सम्मान को प्राथमिकता देते हुए वीर नारियों को समाज की मुख्यधारा में सशक्त स्थान दिलाने का संकल्प लिया गया। दूसरा, शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के बच्चों को खान ग्लोबल स्टडीज के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई। तीसरा, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए राज्य के प्रत्येक जिले में ब्लड बैंक स्थापित करने की दिशा में पहल करने का निर्णय लिया गया। चौथा, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक के दौरान खान सर का सरल, सहज और संवेदनशील व्यक्तित्व भी देखने को मिला। उन्होंने पूर्व सैनिकों के साथ आत्मीय संवाद किया और उनके युद्धकाल एवं सेवा काल के अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना। माहौल इतना आत्मीय हो गया कि समय की सीमा के बावजूद चर्चा कुछ देर तक और जारी रही। इस बैठक में खान ग्लोबल स्टडीज की ओर से कोऑर्डिनेटर सतेंद्र कुमार उपस्थित रहे। वहीं बक्सर से आए प्रतिनिधिमंडल में रामनाथ सिंह, मिथलेश सिंह, जितेंद्र प्रसाद सिंह, हरिशंकर सिंह (सेना मेडल) और सूबेदार राजेंद्र प्रसाद शामिल थे। 'बी वॉरियर' संस्था की ओर से रंजन कुमार राय और गोलू जी ने भागीदारी निभाई।

इसके अलावा प्रदेश कार्यकारिणी के प्रमुख पदाधिकारियों—एन.के. सिंह (प्रदेश अध्यक्ष), आर.एन. उपाध्याय (उपाध्यक्ष), अश्विनी कुमार (सचिव), नीतीश कुमार सिंह (संगठन मंत्री) और आर.एन. सिंह (कोषाध्यक्ष) की उपस्थिति ने बैठक को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम के अंत में पूर्व सैनिक संघ की ओर से खान सर को प्रतीक चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों ने इस साझेदारी को भविष्य में और मजबूत बनाने का संकल्प लिया और विश्वास जताया कि यह पहल बिहार के विकास, सामाजिक एकता और गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी।

फाउंडेशन स्कूल में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ संपन्न

बक्सर (संवाददाता)।

फाउंडेशन स्कूल, बक्सर में भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े ही हर्षोल्लास, श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक सादगीपूर्ण लेकिन प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों एवं उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उल्लेखनीय है कि इसी दिन विद्यालय में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी की लिखित परीक्षा भी संचालित हो रही थी। परीक्षा के कारण विद्यालय परिसर में विशेष व्यवस्था की गई थी, जिसके चलते जयंती कार्यक्रम को दोनों पालियों के मध्य अवकाश के समय आयोजित किया गया। इसके बावजूद कार्यक्रम में किसी प्रकार की कमी नहीं रही और परीक्षा ड्यूटी में तैनात विभिन्न सरकारी विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी समय निकालकर पूरे उत्साह के साथ

इसमें भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित सभी शिक्षकों, कर्मियों एवं अतिथियों ने एक-एक कर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और उनके महान योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक समानता, शिक्षा और संविधान के माध्यम से देश को एक नई दिशा प्रदान की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज त्रिगुण ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं, जिनके सिद्धांत आज भी समाज को मार्गदर्शन देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से उनके आदर्शों को अपनाने और शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर डॉ. एस. के. दुबे, रामायण राय, अनिल ओझा, राजीव पाठक, संजीव सिंह और सरोज सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने डॉ. अंबेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन को प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विद्यालयों से आए शिक्षक-शिक्षिकाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

कलम के सिपाही विवेक कुमार सिन्हा की 13वीं पुण्यतिथि पर बक्सर में श्रद्धांजलि सभा व रक्तदान शिविर आयोजित

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर जिले के यश:शेष पत्रकार विवेक कुमार सिन्हा की 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को पूरे जिले में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर विवेक सिन्हा स्मृति संस्थान के तत्वावधान में एक भव्य स्मृति सभा सह रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों, पत्रकारों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं एवं बुद्धिजीवियों ने भाग लिया और दिवंगत पत्रकार के योगदान को याद किया। वहीं, उनके पैतृक गांव चुरामनपुर में भी एक अलग श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर ग्रामीणों ने उन्हें नमन किया। इसी क्रम में बार एसोसिएशन, बक्सर द्वारा व्यवहार न्यायालय परिसर में विवेक कुमार सिन्हा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष विनय कुमार सिन्हा और सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. भूपेंद्र नाथ ने संयुक्त रूप से की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिवक्ता विनय कुमार सिन्हा ने कहा कि विवेक कुमार सिन्हा एक प्रतिभाशाली, निर्भीक और संघर्षशील पत्रकार थे, जिन्होंने अपनी कलम की ताकत

से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने सदैव समाज के वंचित और कमजोर वर्गों की आवाज को प्रमुखता से उठाया और पत्रकारिता के मूल्यों को जीवित रखा। संस्थान की सचिव दीपशिखा ने अपने संबोधन में उन्हें एक आदर्श शिक्षक, संवेदनशील पत्रकार और जुझारू अधिवक्ता बताते हुए कहा कि उन्होंने कम समय में ही पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। उन्होंने समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाई और लोगों के बीच एक प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित हुए वहीं, उनके सहयोगी शिक्षक विमल कुमार सिंह ने बताया कि विवेक कुमार सिन्हा की स्मृति में स्थापित यह संस्थान शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और नारी सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य उनके विचारों और आदर्शों को समाज में जीवित रखना है।

दैनिक जागरण के जिला प्रभारी शुभनारायण पाठक ने कहा कि विवेक कुमार सिन्हा सबसे पहले एक अच्छे इंसान थे। उनकी आत्मीयता, सरलता और मिलनसार स्वभाव ही उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। उन्होंने प्रभात खबर में ब्यूरो चीफ के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और अपनी निष्पक्ष पत्रकारिता से समाज में अलग पहचान बनाई।

इस अवसर पर समाजसेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय जिला अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 10 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदाताओं में शिक्षक विमल कुमार सिंह, राकेश कुमार, शुभम कुमार, शुभम ओझा, अविनाश कुमार, अभिनव वशिष्ठ, सरोज कुमार, प्रकाश पासवान और सोहैल खान सहित अन्य लोग शामिल रहे। कार्यक्रम में उज्जवल सिन्हा, दीपांकर सिन्हा, अखौरी सुशील सिन्हा, रणवीर सिंह, अर्जुन, पप्पू पासवान, सूर्यकांत पांडेय, धर्मेंद्र सिंह, धीरज पांडेय और धर्मेंद्र पांडेय समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सतुआन संक्रांति पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई पवित्र डुबकी

बक्सर (संवाददाता)। सतुआन संक्रांति के पावन अवसर पर मंगलवार को बक्सर में आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला, जब हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में स्नान कर पुण्य अर्जित किया। मेष संक्रांति के इस विशेष पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं का आगमन सोमवार की देर रात से ही शुरू हो गया था। दूर-दराज के क्षेत्रों से लोग ट्रेन और अन्य साधनों से बक्सर पहुंचे और रात से ही घाटों की ओर रुख करने लगे। जैसे ही सुबह हुई, शहर के प्रमुख गंगा घाटों—नाथ बाबा घाट, रामरेखा घाट, सती घाट, सिद्धनाथ घाट सहित अन्य स्थानों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

अहले सुबह चार बजे से ही स्नान और पूजा-अर्चना का क्रम शुरू हो गया, जो दोपहर तक निरंतर चलता रहा। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा भाव के साथ गंगा में डुबकी लगाई और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन भगवान भास्कर मीन राशि से मेष राशि में प्रवेश करते हैं, जिसे मेष संक्रांति कहा जाता है। इसी उपलक्ष्य में सतुआन पर्व मनाया जाता है।

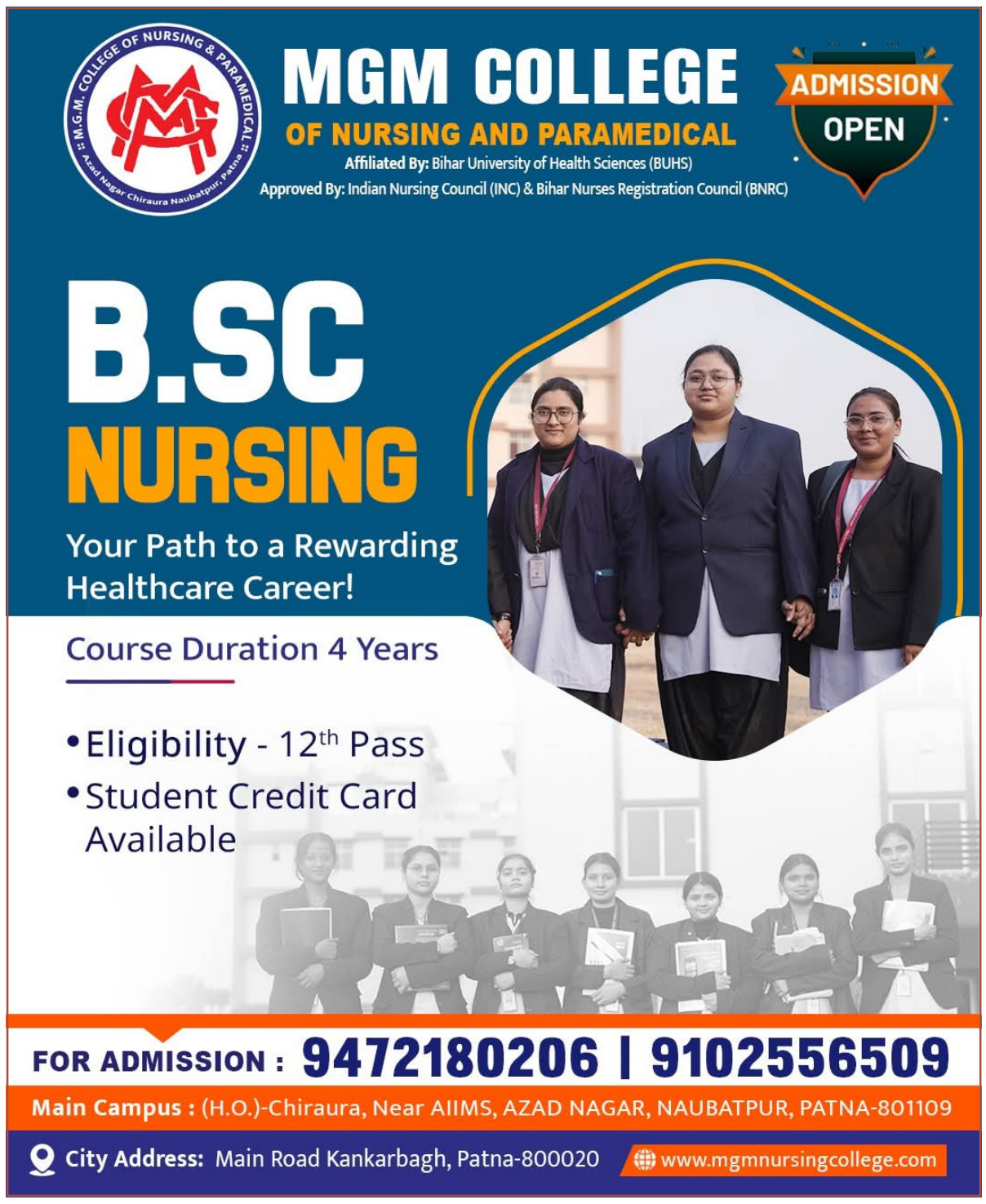

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480